

दैनिक भारतीय बस्ती



भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :49 अंक 108 सोमवार 9 नवम्बर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

फंदे से लटका मिला युवक का शव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । नगर थाना क्षेत्र के महरीपुर गांव में रविवार सुबह उस वक्त परिवार में चीख–पुकार मच गई, जब कमरे के अंदर 47 वर्षीय युवक का शव पंखे से लटका मिला। युवक रात में कमरे में सोने गया था, लेकिन सुबह काफी देर तक बाहर नहीं निकला। परिजनों ने पहले आवाज लगाई

मृतक की पहचान महरीपुर निवासी प्रमोद कुमार (47) पुत्र उमाशंकर के रूप में हुई है। रविवार सुबह करीब सात बजे तक जब वह कमरे से बाहर नहीं निकले तो परिजनों को चिंता हुई। उन्होंने दरवाजा खटखटाकर आवाज लगाई, लेकिन अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। काफी देर इंतजार के बाद परिजनों ने दरवाजा तोड़ दिया।

दरवाजा खुलते ही प्रमोद का शव कमरे में पंखे से लटका मिला। यह देखकर परिवार में चीख–पुकार मच गई। मृतक के भाई मनोज कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि प्रमोद ने रात में कमरे के अंदर फांसी लगा ली थी। इसकी जानकारी सुबह दरवाजा खोलने पर हुई।

सूचना मिलने पर फुटहिया चौकी प्रभारी शैलेश यादव और राजेश कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव को कब्जे में लिया। पंचनामा भरकर शव पोस्टमार्टम के लिए बस्ती भेज दिया गया। प्रमोद की मौत के पीछे की वजह अभी सामने नहीं आई है। उनके भाई ने पुलिस को लिखित सूचना दी है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। मामले की जांच की जा रही है।

15 नव नियुक्त ग्राम पंचायत अधिकारियों को मिली तैनाती

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। डीपीआरओ आनंद कुमार गुप्ता ने जिले में तैनाती पाए 15 नव नियुक्त ग्राम पंचायत अधिकारियों को ब्लॉकों में तैनाती दी है। तैनाती आदेश में डीपीआरओ ने कहा कि सचिव उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग से चयनित 15 ग्राम पंचायत अधिकारियों की सीडीओ की संस्तुति से तैनाती दिया है। इसके तहत प्रियंका यादव को गौर, राकेश कुमार, राम महेश व आशुतोष कुमार को सल्टौआ गोपालपुर, रुद्र मिश्रा व स्वप्न कुमार चौधरी को साऊंघाट, प्रीती, राम नरेश त्रिपाठी, चंद्रकेश चौधरी, शिव्या चौधरी को हरैया, श्याम सुंदर को विक्रमजोत, बृजेश कुमार चौधरी व शालिनी वर्मा को कप्तानगंज, राजर्षि सिंह गौतम व स्नेहा यादव को बस्ती सदर में तैनात किया गया है।

दीपावली में उमडे खरीदार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। दीप पर्व पर लोगों ने जमकर खरीदारी की। मिठाई, पटाखों की दूकानों पर लोग उमड़े।



दैनिक भारतीय बस्ती के पाठकों, शुभेच्छुओं विज्ञापन– दाताओं वितरकों को प्रकाश पर्व दीपावली की हार्दिक मंगलकामना।

–सम्पादक

अवकाश सूचना

दीपावली के पंच पर्व पर दैनिक भारतीय बस्ती प्रेस एवं कार्यालय बंद रहेगा आगामी अंक 11 नवम्बर को प्रकाशित होगा।

–व्यवस्थापक

पीएम मोदी ने छत्तीसगढ़ के बस्तर में सुरक्षा बलों के जवानों के साथ मनाया दीपावली



बस्तर (आभा)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दीपावली के मौके पर छत्तीसगढ़ के बस्तर में सुरक्षा बलों के जवानों के साथ त्योहार मनाया। इस दौरान उन्होंने जवानों को संबोधित करते हुए नक्सलवाद के खिलाफ मिली सफलता को देश के लिए बड़ी उपलब्धि बताया। पीएम मोदी ने कहा कि 2026 की दीपावली खास है, क्योंकि देश दशकों पुरानी नक्सलवाद की लड़ाई जीत चुका है। हालांकि, उन्होंने यह भी आगाह किया कि खतरा पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। वहीं पीएम मोदी ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें साझा करते हुए लिखा – मैंने बस्तर में हमारे बहादुर सुरक्षा बलों के साथ इस तरह दिवाली मनाई।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई, सीआरपीएफ जवानों के बलिदान, पिछली सरकारों की नीतियों, दिमागी नक्सलियों और गरीबी से बाहर आए लोगों का जिक्र किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 2026 की दिवाली इसलिए खास है, क्योंकि देश ने नक्सलवाद के खिलाफ दशकों पुरानी लड़ाई में जीत हासिल की है। उन्होंने कहा कि यह पहली दिवाली है, जब देश का हर जिला नक्सलवाद से मुक्त है।

पीएम ने इस उपलब्धि का श्रेय सुरक्षा बलों के जवानों को दिया। उन्होंने कहा कि यह असाधारण सफलता जवानों के साहस और समर्पण का परिणाम है। प्रधानमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि खतरा अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है और सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि देश का हर जवान उनके परिवार का हिस्सा है।

प्रधानमंत्री ने कहा, श्रद्धेय को आगे ले जाने के लिए हमें मजबूत इरादों और सही रणनीति के साथ देश के दुश्मनों का सामना करना होगा और उन्हें हराना होगा। ऐसा करने के लिए देश में जिस राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी थी, उसे 2014 में मजबूती मिली। आपने इस प्रधानसेवक को मां भारती की सेवा करने का अवसर दिया और हमने देखा कि 2014 के बाद हालात कैसे बदलने लगे।

उन्होंने कहा, लंबे समय तक हमने देखा कि नक्सलियों के मुकाबले हमारे ज्यादा जवान बलिदान हो रहे थे। लेकिन 47 साल में पहली बार एक बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। पिछले एक साल में ड्यूटी के दौरान सीआरपीएफ का एक भी जवान बलिदान नहीं हुआ। यह देश की सही नीतियों और मजबूत इरादों की जीत है। यह आप सभी के शौर्य, साहस और संयम की जीत है।''

इजरायल में नेतन्याहू के विरोधी आइजेनकोट को सरकार बनाने का मौका



यरुशलम (आभा)। इजरायल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग ने घोषणा की है कि वह इजरायल की अगली सरकार बनाने की जिम्मेदारी श्यशारश पार्टी के चेयरमैन गादी आइजेनकोट को सौंपेंगे। आइजेनकोट जिस 'चेंज ब्लॉक' (बदलाव गुट) का नेतृत्व कर रहे हैं, वह भविष्य के संभावित गठबंधन सहयोगियों को साथ लाने की कोशिश कर रहा है। इनमें अति–रूढ़िवादी पार्टियां, अरब–नेतृत्व वाली पार्टियां और यहां तक कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की लिकुड पार्टी भी शामिल हैं।

बताया जा रहा है कि आइजेनकोट आज रविवार शाम स्थानीय समयानुसार 5 बजे (भारत समय रात 8.30 बजे) राष्ट्रपति आवास पर आयोजित एक समारोह में औपचारिक रूप से जनादेश प्राप्त करेंगे। इसके बाद उनके पास सरकार बनाने के लिए 28 दिन का समय होगा, और जरूरत पड़ने पर हर्जोग उन्हें 14 दिन तक का अतिरिक्त समय दे सकते हैं। अगर वह बहुमत प्राप्त करने में विफल रहते हैं तो इसके बाद नेतन्याहू को सरकार बनाने का मौका दिया जा सकता है।

हर्जोग ने बताया कि उन्होंने बुधवार और गुरुवार को नेसेट (संसद) के सभी दलों के साथ विचार–विमर्श करने और सप्ताहांत में इन दो प्रतिद्वंद्वियों सहित राजनीतिक जगत की विभिन्न हस्तियों से बातचीत करने के बाद, शाम को ही आइजेनकोट और नेतन्याहू को अपने फैसले के बारे में सूचित कर दिया था।

पार्टी प्रतिनिधिमंडलों के साथ हर्जोग की बातचीत के दौरान आइजेनकोट को प्रधानमंत्री पद के लिए 67 सिफारिशें मिलीं जो 120 सदस्यों वाली संसद में बहुमत है जबकि नेतन्याहू को 46 सिफारिशें मिलीं।

सिविल डिफेन्स टीम ने जरूरत मन्दों के बीच बांटी खुशियाँ



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जरूरत मन्दों के बीच सिविल डिफेन्स टीम ने बांटी खुशियाँ, मिठाई, लईया, गट्टा आदि के साथ उनके साथ बिताए समय, प्लास्टिक की गिलास में चाय आदि गर्म पेय पदार्थों से होने वाले नुकसान के प्रति किया जागरूक और विकल्प के रूप में कुल्हड बनाने वाले कर्मयोगी कुम्हार जन को भी दीपावली के अवसर पर प्रोत्साहित किया, लईया, गट्टा, मिठाई सहित दीपावली की खुशियां मनाई।

चीफ वार्डन डॉ. कुलदीप सिंह ने बताया कि श्याम बहादुर, मंगरु प्रसाद, रामहित आदि ग्राम कटरी विकास क्षेत्र कप्तानगंज जनपद बस्ती निवासी अपने घर पर परम्परागत तरीकों के साथ साथ बिजली के चाक पर भी मिट्टी के दिए कुल्हड़, हांडी व अन्य बर्तन बनाने का कार्य पीढ़ियों से करते हुए चले आ रहे हैं उन्हें भी सम्मानित किया गया। डिप्टी चीफ वार्डन डॉ वीके वर्मा ने बताया कि प्लास्टिक या कागज की गिलास में गर्म दूध, चाय आदि पीने से स्वास्थ्य को नुकसान पहुंच रहा है, इस अवसर पर सेक्टर वार्डन प्रमोद कुमार श्रीवास्तव, डॉ मनोज मिश्रा आदि की सहभागिता रही। इसी कड़ी में सिविल डिफेंस टीम ने पटाखों के प्रति किया जागरूक, दुकानों पर समुचित अग्नि सुरक्षा के उपाय करने, बाल्टी में पानी, बालू आदि भर कर रखने, जरूरत पड़ने पर अविलम्ब फायर ब्रिगेड की सहायता लेने आदि के लिए अपील करते हुए पटाखा खरीदने वालों को भी जागरूक किया गया कि पटाखे सदैव खुले स्थान पर चलाएं, तेज आवाज वाले पटाखे न चलाएं, वृद्ध, बीमार लोगों, अस्पताल के आसपास पटाखे न चलायें, बच्चों के साथ पटाखे छोड़ते समय बड़े लोग भी जरूर साथ रहें।

लालकृष्ण आडवाणी ने किया जीवन के 100वें वर्ष में प्रवेश



नई दिल्ली (आभा)। भाजपा के वरिष्ठ नेता और देश के पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी रविवार को 99 वर्ष के हो गए और उन्होंने अपने जीवन के 100वें वर्ष में प्रवेश कर लिया है। इस अवसर पर भारत रत्न आडवाणी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और पीयूष गोयल सहित देश के कई प्रमुख राजनेताओं ने जन्मदिन की बधाई दी।

शीर्ष नेतृत्व ने भारतीय राजनीति को नई दिशा देने, लोकतंत्र की रक्षा करने और शून्य से भाजपा संगठन को इस शिखर तक पहुंचाने में उनके अभूतपूर्व और अद्वितीय योगदान को नमन करते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आडवाणी जी को बधाई देते हुए इस दिन को बेहद खास बताया। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि 8 नवंबर का दिन एक ऐतिहासिक पड़ाव है। आदरणीय लालकृष्ण आडवाणी जी अपने 100वें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं। इस विशेष अवसर पर उन्हें मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

17 नवम्बर को जारी होगा मतदाता सूची का एकीकृत प्रारूप : अपना नाम जांच ले मतदाता–डीएम

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। अब जिले में मतदाता सूची का एकीकृत प्रारूप 17 नवंबर को जारी होगा। मतदाता 16 दिसंबर तक सूची में नाम शामिल कराने, दर्ज नाम में सुधार कराने और दावे–आपत्तियां दाखिल कर सकेंगे। अंतिम मतदाता सूची 4 जनवरी 2027 को प्रकाशित की जाएगी।

भारत निर्वाचन आयोग ने यह संशोधित कार्यक्रम 6 नवंबर को जारी पत्र के आधार पर तय किया है।



सूची एक जनवरी 2027 की अर्हता तिथि के आधार पर तैयार की जा रही है। जिला निर्वाचन अधिकारी और जिलाधिकारी कृतिका ज्योत्स्ना ने बताया कि मतदान स्थलों के युक्तिकरण और पुनर्व्यवस्थापन का काम पहले तय कार्यक्रम के अनुसार 2 नवंबर तक पूरा किया जाएगा। इसके बाद 17 नवंबर को एकीकृत प्रारूप मतदाता सूची जारी होगी। मतदाता सूची में अपना नाम जांचने के साथ दर्ज जानकारी में जरूरी सुधार कर सकेंगे।

मतदाता सूची में नाम शामिल कराने, पहले से दर्ज नाम में संशोधन कराने और अन्य दावे–आपत्तियां दाखिल करने की अवधि 17 नवंबर से 16 दिसंबर 2026 तक निर्धारित की गई है। इस दौरान प्राप्त दावे और आपत्तियों का निस्तारण 28 दिसंबर तक किया जाएगा। इसके बाद 4 जनवरी 2027 को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित होगी।

जिलाधिकारी ने मतदाताओं से प्रारूप सूची में अपना नाम जांचने की अपील की है। उन्होंने कहा कि किसी पात्र नागरिक का नाम सूची में शामिल नहीं है या नाम, पता अथवा अन्य जानकारी में गलती है तो निर्धारित समय में दावा या आपत्ति दाखिल करें। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदान के अधिकार से वंचित न रहे।

मुख्यमंत्री योगी ने वनटांगियों के साथ मनाया दीपावली: नशे से मुक्ति का आवाहन



संवाददाता– गोरखपुर । यूपी में माफियाओं के बाद अब नशे के सौदागरों के खात्मे की बारी है। रविवार को गोरखपुर के वनटांगिया गांव में दिवाली मनाने पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ ने इसका ऐलान किया। सीएम योगी ने कहा कि नशा नाश का कारण होता है। जुआ इंसान को गुलाम बना देता है। इन दोनों से दूर रहें। इनके चलते अच्छा–खासा परिवार बर्बाद हो जाता है। यूपी में माफिया उन्मूलन के बाद नशे के सौदागरों पर प्रहार चल रहा है। जो दूसरों के जीवन को बर्बाद करते हैं हम उनको आबाद नहीं होने देंगे। दीपावली के मौके पर उन्होंने सबसे खासतौर पर युवाओं से नशे से दूर रहने की अपील की। उन्होंने कहा युवा अच्छी पढ़ाई करें, नौकरी और रोजगार की गारंटी भाजपा की डबल इंजन की सरकार लेगी। दीपावली के मौके पर सीएम योगी ने वनटांगिया समाज के लिए 82 करोड़ रुपए से अधिक लागत की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया।

अपने संबोधन में सीएम योगी ने अन्नदाता किसानों को आश्वस्त किया कि वे अच्छी पैदावार करें, उसका दाम सरकार उन्हें देगी। प्रोसेसिंग और वैल्यू एडिशन के माध्यम से कई गुना दाम दिलाएगी। उन्होंने कहा आज हर तबके के लोगों के साथ सरकार खड़ी है। सीएम योगी ने लोगों को दीपावली की बधाई देते हुए कहा कि भगवान राम 14 वर्षों के वनवास के बाद जब अयोध्या लौटे थे तो पूरे देश ने दीपावली के पर्व को मनाया था। भगवान राम 14 वर्ष वनवास में थे लेकिन पहले अंग्रेजों, फिर कांग्रेस और उसके बाद समाजवादी पार्टी के लोगों ने आपको और आपके पूर्वजों को 100 साल से अधिक समय तक इन जंगलों में दर–दर की ठोकरें खाने के लिए छोड़ दिया था।

उन्होंने मंच से बटन दबाकर आतिशबाजी की। सांसद रविकिशन की चुटकी लेते हुए लोगों से कहा– आप सभी इनके शीश महल में जाइए। 5000 लोगों के लिए मिठाई और खाने का इंतजाम है। उन्होंने कहा– अभी एक बुजुर्ग महिला मुझसे कह रही थी कि सांसद जी से कहिए मुझे उनकी फिल्में में काम करना है।

सीएम ने परिवारों के लिए 82.41 करोड़ रुपए की 52 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

प्रमुख ऐतिहासिक, पौराणिक स्थलों पर जलाये दीप



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। वीर शहीदों, स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्र के महान महापुरुषों के बलिदान एवं योगदान को नमन करने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी सनातन धर्म संस्था की अगुवाई में 'एक दीप बलिदानियों के नाम' कार्यक्रम श्रद्धा एवं राष्ट्रभक्ति के साथ आयोजित किया गया। जनपद के 14 प्रमुख ऐतिहासिक, पौराणिक एवं स्मृति स्थलों पर साफ–सफाई कर दीप प्रज्वलित किए गए।

महाराणा प्रताप चौक पर दीप जलाने के बाद डॉ. नवीन सिंह ने कहा कि 'एक दीप बलिदानियों के नाम' केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि राष्ट्र के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले वीर सपूतों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का माध्यम है। महापुरुषों, स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों के त्याग एवं बलिदान को सदैव याद रखना चाहिए। कार्यक्रम के संयोजक अशोक श्रीवास्तव ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य नई पीढ़ी को देश के गौरवशाली इतिहास, महापुरुषों के आदर्शों और बलिदानियों के योगदान से परिचित कराना है। योगाचार्य राममोहन पाल ने कहा कि कार्यक्रम राष्ट्र के प्रति समर्पण का संदेश देता है।

सुभाष चंद्र बोस तिराहे पर अशोक श्रीवास्तव, नेशनल प्रेस क्लब, सामाजिक संस्था चित्रांश क्लब, महाराणा प्रताप चौराहा डा. नवीन सिंह, राममोहन पाल, डा. सगीता यादव, तहसील परिसर स्थित शहीद स्मारक पर समासद सुभाष श्रीवास्तव, कारगिल शौर्य स्तंभ पर ओमनी इंटरनेशनल, महात्मा गांधी स्मारक, बीडीए परिसर मे राजेश चित्रगुप्त एवं चित्रांश क्लब, आचार्य रामचंद्र शुक्ल स्मारक, बड़ेवन यूनिक साइंस एकेडमी, आचार्य रामचंद्र शुक्ल की प्रतिमा, बड़ेवन बृजेश सिंह मुन्ना, जीआईसी स्थित मुंशी प्रेमचंद, जिला अस्पताल स्थित डॉ. हैनिमैन एवं टाउन क्लब स्थित आचार्य रामचंद्र शुक्ल स्मारक पर डॉ. वीरेंद्र त्रिपाठी, कलेक्ट्रेट के सामने शहीद स्तंभ पर राजेंद्रनाथ तिवारी, संत गाडगे स्मारक, पानी की टंकी चौराहा पर डॉन वास्को स्कूल, सरदार पटेल स्मारक, अमहट घाट डॉ. रोहन दूबे एवं टाटा मोटर्स, लाल बहादुर शास्त्री चौक वैष्णवी दूबे एवं उनकी टीम, डीएम आवास के मोड़ पर आचार्य रामचंद्र शुक्ल स्मारक, वैष्णवी दूबे एवं उनकी टीम, महात्मा कबीर स्मारक, डीआईसी कार्यालय के निकट वैष्णवी दूबे एवं उनकी टीम के द्वारा पुष्पार्चन एवं दीप प्रज्ज्वलन कर महापुरुषों के प्रति सम्मान व्यक्त किया।

पूर्व सैनिकों ने रालोद प्रदेश अध्यक्ष ऐश्वर्य राज सिंह को सौंपा ज्ञापन



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग को लेकर राष्ट्रीय लोकदल के संतकबीरनगर क्षेत्र सैनिक प्रकोष्ठ के क्षेत्रीय अध्यक्ष कैप्टन दिनेश सिंह ने राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष ऐश्वर्य राज सिंह को ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि बस्ती स्थित सैनिक कल्याण परिसर में आधुनिक सुविधाओं से युक्त एकीकृत परिसर बनाया जाय।

पत्र में कैप्टन दिनेश सिंह ने कहा है कि बस्ती जिले में भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना से सेवानिवृत्त हजारों सैनिक और उनके परिवार रहते हैं। वर्तमान में सैनिक कल्याण परिसर में स्वास्थ्य और अन्य प्रशासनिक सुविधाओं को बेहतर बनाने की जरूरत है।

उन्होंने मांग किया है कि परिसर में ईसीएचएस (पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना) पॉलीक्लिनिक भवन के साथ एकीकृत कॉम्प्लेक्स का निर्माण कराया जाए। इससे पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को एक ही स्थान पर

-पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग

कई जरूरी सुविधाएं मिल सकेंगी।

पत्र में पूर्व सैनिकों के लिए बैठक और जागरूकता केन्द्र, सामाजिक कार्यक्रमों के आयोजन की जगह तथा दूर–दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले बुजुर्ग सैनिकों के लिए प्रतीक्षालय और शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराने का सुझाव भी दिया गया है।

राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष ऐश्वर्य राज सिंह ने ज्ञापन लेने के बाद कहा कि संबंधित विभागों से बातचीत कर पूर्व सैनिकों को बेहतर सुविधाएं और सम्मान दिलाये जाने की दिशा में रचनात्मक प्रयास किया जायेगा। ज्ञापन देने के दौरान अनेक पूर्व सैनिक और रालोद पदाधिकारी शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 9 नवम्बर 2026 सोमवार

सम्पादकीय

शोर में उलझे नागरिकों के सवाल

छद्म अभ्यास। छद्म संसद, छद्म नाटक, छद्म नेता और छद्म महाभियोग! मुद्दा वही, 'एसआइआर' रोकी जाए और मुख्य चुनाव आयुक्त हटाए जाएं। इसके लिए विपक्षी दलों की रामलीला मैदान में 'वोट बचाओ, देश बचाओ' महारैली हुई। बीस दलों के नेताओं की भाषा अलग थी, मगर मांग एक ही। लोकतंत्र बचाने का रास्ता मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने से होकर जाता है, मंच से यही संदेश दिया गया। मुख्य विपक्षी नेता बोले, अन्य दलों के नेता भी बोले। किसी ने सरकारों को 'चोरी की सरकार' कहा, किसी ने मैदान को हल्दीघाटी बता दिया। सबसे बड़े विपक्षी नेता ने चेतावनी दी कि मुख्य चुनाव आयुक्त हटेंगे भी और जेल भी जाएंगे। उनके मुताबिक, उनके बिना न प्रधानमंत्री बनते, न गृह मंत्री। फिर रूपक आया कि यह 'शिव की बारात' है, यह 'तांडव' है। चेतावनी और तीखी हुई, आज मुख्य चुनाव आयुक्त, फिर आपका नंबर, कार्रवाई होगी। लोकतंत्र की आत्मा पर हमले की बात भी हुई।

सत्ता पक्ष ने जवाब दिया कि दस लाख लोगों का दावा था, मगर मैदान में उतनी भीड़ नहीं दिखी, रैली नाकाम रही। इसे शिव की बारात नहीं, अराजकता की धमा—चौकड़ी बताया गया। व्यापारियों के नुकसान और दिवाली खराब होने का आरोप लगा। यह भी कहा गया कि मुख्य चुनाव आयुक्त कहीं नहीं जाने वाले। फिर सवाल उठा, कितनी कुर्सियां खाली थीं, कितने लोग आए? रैली के बाद सवाल की परंपरा है, 'कितने आदमी थे?' आयोजक लाखों बताते हैं, विरोधी संख्या घटाते हैं। मैदान की क्षमता पर बहस छिड़ती है। फिर चौनलों पर इडली का हिसाब, पांच लाख इडलियां बनवाईं, आए पच्चीस—तीस हजार, बाकी इडलियों का क्या हुआ? लोकतंत्र की बहस नाश्ते की गिनती में बदल जाती है। इसी शोर में खबर आई कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नए नियमों पर सर्वोच्च अदालत ने रोक लगा दी है। मगर रैली और चौनलों की बहस के बीच इसे अपेक्षित जगह नहीं मिली। चुनावी प्रक्रिया पर सवाल जरूरी हैं, लेकिन शिक्षा, न्याय और नागरिक अधिकारों से जुड़े फैसले भी कम जरूरी नहीं।

फिर आस्था के नाम पर बयानबाजी शुरू हुई। एक बाबा ने कृष्ण और राम की तुलना करते हुए कृष्ण को टेढ़ा और राम को सीधा बता दिया। दूसरे ने इसे भगवान को बांटने की कोशिश कहा। एक विपक्षी नेता ने टिप्पणी की कि ऐसी बात कहीं और कही जाती तो लोग वक्ता को दौड़ा लेते। फिर पोस्टर में मुरली बजाते कृष्ण के साथ लिखा दिखा कि 2027 में श्रीकृष्ण आ रहे हैं। सत्ता पक्ष ने जवाब दिया कि जो राम को लाए, वही कृष्ण को भी लाएंगे।

राम और कृष्ण के बीच कोई प्रतिस्पर्धा नहीं, लेकिन चुनावी भाषा उन्हें भी आमने—सामने खड़ा करने लगती है। आस्था के नाम पर श्रेय लेने की होड़ में भक्तिभाव पीछे और चुनावी हिसाब आगे दिखता है। सवाल यह है कि धार्मिक आस्था को राजनीतिक विज्ञापन की सामग्री क्यों बनाया जाए?

मंदिरों में पुजारियों द्वारा महिलाओं के साथ बलात्कार संबंधी टिप्पणी ने विवाद खड़ा किया। विरोध हुआ कि इससे सभी पुजारियों को कठघरे में खड़ा किया जा रहा है। वक्ता की सफाई आई कि आशय ब्राह्मणवादी व्यवस्था के संदर्भ में महिलाओं की सुरक्षा पर बात करना था। अमेरिका के मध्यावधि चुनावों में डोनाल्ड ट्रंप की पार्टी को झटके की खबरों के बाद यहां भी भविष्यवाणियां शुरू हुईं। किसी ने कहा, 'पोटस' गया तो 'लोटस' भी जाएगा। जवाब आया कि अमेरिकी राष्ट्रपति जा सकते हैं, मगर यहां कमल नहीं जाने वाला। विदेशी चुनाव भी घरेलू तीर चलाने का अवसर बन गया।

फिर प्रधानमंत्री को बहस की चुनौती दी गई। दावा था कि पांच मिनट में साबित कर देंगे कि प्रधानमंत्री को ट्रंप चलाते हैं, सरकार एक साल में गिर जाएगी। गृह मंत्री ने जवाब दिया कि एसआइआर पर बहस के लिए सरकार तैयार है और संसद का विशेष सत्र बुलाया जा सकता है। चुनौती के जवाब में प्रति—चुनौती। विषय मतदाता सूची था, मगर भाषा में आरोप और भविष्यवाणियां ज्यादा थीं।

फिर झारखंड सरकार के एक मंत्री का कथित बयान आया कि चालीस लाख लोग एक इशारे का इंतजार कर रहे हैं और हालात बांग्लादेश तथा नेपाल से बदतर हो सकते हैं, सेना भी कुछ नहीं कर पाएगी। इसे खुली धमकी बताकर सवाल उठे। जनप्रतिनिधि की भाषा में हिंसा या अराजकता का संकेत हो, तो जांच होनी चाहिए। इस पूरे दृश्य में चुनौती, चेतावनी, जवाबी चुनौती और चुटकी है। संसद से सड़क तक, मंदिर से मैदान तक और देश से विदेश तक। हर घटना अगले बयान का ईंधन बनती है। मुद्दे पीछे छूटते हैं, वाक्य सुर्खियां बन जाते हैं। लोकतंत्र में असहमति और आलोचना जरूरी हैं। मगर धमकी, अपमान और अप्रमाणित आरोप बहस का विकल्प नहीं। सवाल यह नहीं कि किसकी रैली में कितने लोग थे। असली सवाल है कि इस शोर में नागरिकों के असल सवाल कहां हैं?

पद पाने के लिए समाजसेवा का बढ़ता ड्रामा





— डॉ. प्रियंका सौरभ—

समाजसेवा कभी निस्वार्थ भाव से समाज के दुख—दर्द बांटने, जरूरतमंदों की मदद करने और सामाजिक बदलाव लाने का माध्यम हुआ करती थी। लेकिन बदलते दौर में समाजसेवा की परिभाषा भी कहीं—कहीं बदलती दिखाई दे रही है। अब सेवा से ज्यादा उसका प्रचार, जरूरतमंदों की मदद से ज्यादा कैमरों की मौजूदगी और सामाजिक जिम्मेदारी से ज्यादा पद—प्रतिष्ठा हासिल करने की लालसा नजर आने लगी है। सवाल यह है कि क्या समाजसेवा वास्तव में समाज के लिए हो रही है या समाजसेवा के नाम पर अपने राजनीतिक और व्यक्तिगत हित साधने का नया रास्ता तैयार किया जा रहा है? आजकल सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्रों में एक नया चलन तेजी से देखने को मिल रहा है। जैसे ही किसी संस्था, संगठन, पंचायत, राजनीतिक दल या सामाजिक मंच पर कोई पद खाली होने की चर्चा शुरू होती है, वैसे ही कुछ लोगों की समाजसेवा अचानक तेज हो जाती है। जो लोग लंबे समय तक समाज की समस्याओं, गरीबों की परेशानियों और जरूरतमंदों की मजबूरियों से अनजान बने रहते हैं, वे अचानक सेवा के बड़े—बड़े दावे करने लगते हैं। कहीं कंबल वितरण का कार्यक्रम आयोजित होता है, कहीं राशन बांटने की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की जाती हैं, तो कहीं किसी जरूरतमंद परिवार की सहायता करते हुए दर्जनों फोटो खिंचवाए जाते हैं।

यहां सवाल किसी के सेवा कार्य पर उंगली उठाने का नहीं, बल्कि सेवा के पीछे छिपी नीयत और उद्देश्य को समझने का है। यदि कोई व्यक्ति वास्तव में जरूरतमंदों की सहायता कर रहा है तो उसका स्वागत होना चाहिए। लेकिन जब सेवा का मुख्य उद्देश्य किसी पद को हासिल करना, अपनी छवि चमकाना या भविष्य में राजनीतिक लाभ उठाना बन जाए, तब उस प्रवृत्ति पर सवाल उठना स्वाभाविक है। समाजसेवा और दिखावे के बीच एक बहुत बारीक लेकिन महत्वपूर्ण अंतर होता है। सच्चा समाजसेवी बिना किसी प्रचार के भी लोगों के दुख—दर्द में शामिल होता है। उसे न तो हर सहायता के बाद फोटो की जरूरत होती है और न ही हर अच्छे काम के बदले सम्मान—पत्र या पद की अपेक्षा। इसके विपरीत, दिखावे की सेवा में अक्सर काम से ज्यादा प्रचार पर ध्यान दिया जाता है। जरूरतमंद व्यक्ति की परेशानी से अधिक महत्वपूर्ण यह हो जाता है कि कार्यक्रम में कितने लोग आए, कितनी तस्वीरें खिंचीं और सोशल मीडिया पर कितनी प्रतिक्रियाएं मिलीं।

आज सोशल मीडिया ने इस प्रवृत्ति को और बढ़ावा दिया है। सेवा कार्यों की जानकारी लोगों तक पहुंचाना गलत नहीं है। कई बार प्रचार से दूसरे लोग भी प्रेरित होते हैं और सामाजिक कार्यों के लिए सहयोग मिलता है। लेकिन समस्या तब पैदा होती है जब किसी जरूरतमंद की मजबूरी को प्रचार का साधन बना दिया जाता है। उसकी गरीबी, बेबसी और आत्मसम्मान को कैमरे के सामने प्रदर्शित किया जाता है। मदद पाने वाला व्यक्ति कई बार अपनी परिस्थितियों के कारण कुछ कह भी नहीं पाता, जबकि मदद करने वाला अपनी उदारता का प्रचार करने में पीछे नहीं रहता। क्या किसी गरीब की मदद करते समय उसके सम्मान और निजता का ध्यान रखना हमारी जिम्मेदारी नहीं है?

एक और चिंताजनक पहलू यह है कि समाजसेवा के नाम पर पदों की दौड़ बढ़ती जा रही है। किसी सामाजिक संस्था का अध्यक्ष बनना हो, किसी संगठन में जिम्मेदारी हासिल करनी हो या किसी राजनीतिक मंच पर पहचान बनानी हो, इसके लिए सेवा गतिविधियों को उपलब्धियों की सूची की तरह प्रस्तुत किया जाने लगा है। कई बार वर्षों से समाज के लिए काम कर रहे ईमानदार और समर्पित लोगों को पीछे छोड़कर वे लोग आगे आ जाते हैं, जिनकी सक्रियता किसी पद की संभावना दिखाई देने के बाद ही शुरू हुई होती है।

इससे वास्तविक समाजसेवियों का मनोबल भी प्रभावित होता है। जो लोग बिना किसी स्वार्थ के वर्षों से सामाजिक कार्यों में लगे हैं, उन्हें यह देखकर निराशा होती है कि उनके अनुभव, समर्पण और योगदान की तुलना में प्रचार और व्यक्तिगत संपर्कों को अधिक महत्व दिया जा रहा है। सामाजिक संस्थाओं का उद्देश्य समाज के हित में काम करना होना चाहिए, न कि कुछ लोगों के व्यक्तिगत प्रभाव और प्रतिष्ठा को बढ़ाना।

समाज को यह समझना होगा कि पद किसी व्यक्ति की योग्यता का अंतिम प्रमाण नहीं होता। किसी संस्था का अध्यक्ष, प्रधान, पदाधिकारी या प्रतिनिधि बन जाने से कोई व्यक्ति अपने आप समाजसेवी नहीं बन जाता। असली पहचान उसके काम, व्यवहार, ईमानदारी और कठिन परिस्थितियों में निभाई गई जिम्मेदारी से बनती है। पद मिलने के बाद समाज को भूल जाना और पद पाने से पहले समाज के नाम पर बड़े—बड़े दावे करना किसी भी स्वस्थ सामाजिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं है। यह भी जरूरी है कि हम सभी को एक ही नजर से न देखें। आज भी अनेक ऐसे लोग हैं जो वर्षों से शिक्षा, स्वास्थ्य, रक्तदान, पर्यावरण संरक्षण, गरीब परिवारों की सहायता और सामाजिक सुधार के कार्यों में निस्वार्थ भाव से लगे हुए हैं। वे किसी पद की अपेक्षा नहीं रखते और न ही हर काम का हिसाब प्रचार के माध्यम से देते हैं। ऐसे लोगों का सम्मान होना चाहिए। उनकी पहचान उनके कार्यों से होती है, न कि उनके बैनरों और पोस्टरों से।

सवाल यह भी है कि समाज ऐसे दिखावे को बढ़ावा क्यों देता है? कई बार हम भी किसी व्यक्ति के वास्तविक योगदान को जाने बिना उसकी सोशल मीडिया पोस्ट, बड़े आयोजनों और चमकदार तस्वीरों से प्रभावित हो जाते हैं। सम्मान—पत्र बांटने और लेने की परंपरा ने भी कई जगह वास्तविक कार्यों की जगह औपचारिकताओं को महत्व देना शुरू कर दिया है। यदि समाज को बेहतर नेतृत्व चाहिए तो उसे लोगों की लोकप्रियता के बजाय उनके काम का मूल्यांकन करना होगा। सामाजिक संस्थाओं और संगठनों की भी जिम्मेदारी है कि वे पदों का चयन करते समय पारदर्शिता और निष्पक्षता अपनाएं। पदाधिकारी चुनने का आधार केवल आर्थिक ताकत, राजनीतिक पहुंच, भीड़ जुटाने की क्षमता या प्रचार नहीं होना चाहिए। यह देखा जाना चाहिए कि संबंधित व्यक्ति ने समाज के लिए कितना समय दिया है, कितनी समस्याओं का समाधान किया है और क्या वह जिम्मेदारी मिलने के बाद भी उसी निष्ठा से काम करेगा?समाजसेवा को राजनीति से पूरी तरह अलग रखना संभव नहीं है, क्योंकि जनहित के अनेक कार्यों में राजनीतिक और प्रशासनिक सहयोग की आवश्यकता होती है। राजनीति में आने या पद प्राप्त करने की इच्छा रखना भी अपने आप में गलत नहीं है। लेकिन सेवा को केवल सत्ता और प्रतिष्ठा तक पहुंचने की सीढ़ी बना देना निश्चित रूप से गलत है। यदि किसी व्यक्ति की राजनीति में आने की इच्छा है तो उसे खुलकर अपनी महत्वाकांक्षा स्वीकार करनी चाहिए, न कि समाजसेवा की आड़ में व्यक्तिगत स्वार्थ छिपाना चाहिए। आज जरूरत इस बात की है कि समाज फोटो और भाषण से आगे बढ़कर परिणामों को देखे। किसी ने कितने कंबल बांटे, इससे अधिक महत्वपूर्ण यह है कि कितने जरूरतमंदों तक वास्तविक सहायता पहुंची। कितने कार्यक्रम आयोजित किए, इससे ज्यादा जरूरी यह है कि कितनी समस्याओं का स्थायी समाधान हुआ। कितने सम्मान प्राप्त किए, इससे अधिक मायने रखता है कि कितने लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया। अंततः समाजसेवा कोई मौसमी गतिविधि नहीं, बल्कि निरंतर निभाई जाने वाली जिम्मेदारी है। यह चुनाव, पद, सम्मान या किसी विशेष अवसर की मोहताज नहीं होती। असली समाजसेवक वह है जो बिना किसी पद के भी समाज के साथ खड़ा रहे और पद मिलने के बाद भी अपनी जिम्मेदारी न भूले। समाज को अब यह तय करना होगा कि उसे पद पाने के लिए समाजसेवा का नाटक करने वाले चेहरे चाहिए या समाज के लिए अपना समय, श्रम और ईमानदारी समर्पित करने वाले लोग। क्योंकि इतिहास में पहचान उन लोगों की नहीं बनी जिन्होंने सेवा के नाम पर सबसे ज्यादा तस्वीरें खिंचवाईं, बल्कि उन लोगों की बनी जिन्होंने बिना किसी शोर—शराबे के लोगों के जीवन में बदलाव लाया। याद रखना चाहिए कि पद की कुर्सी कुछ समय के लिए मिल सकती है, लेकिन जनता के दिलों में जगह केवल सच्चे कर्मों से ही बनती है। समाजसेवा को पद पाने का हथियार नहीं, समाज का दर्द समझने का संस्कार बनाइए। आखिर सेवा का असली सम्मान माला, मंच और तालियों में नहीं, बल्कि उस दुआ में है जो किसी जरूरतमंद के दिल से निकलती है।

एआईएमआईएम, बसपा में गठबंधन की आहट

—नीरज कुमार दुबे—



उत्तर प्रदेश की राजनीति में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले मुस्लिम और दलित वोटों को लेकर नई सियासी गोलबंदी की कोशिश तेज हो गई है। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए सीधे उनके मुस्लिम वोट बैंक को चुनौती देना शुरू कर दिया है। इसी के साथ ओवैसी की नजर मायावती की बहुजन समाज पार्टी के साथ गठबंधन पर है। 'भीम और मीम' के नाम से उभर रही यह पहल यूपी की सियासत में नए समीकरण बनाने और अखिलेश यादव की राजनीतिक पकड़ को चुनौती देने की कोशिश के तौर पर देखी जा रही है।

दरअसल, उत्तर प्रदेश में मुस्लिम मतदाताओं के बीच समाजवादी पार्टी लंबे समय से अपनी मजबूत राजनीतिक पकड़ का दावा करती रही है। अखिलेश यादव की राजनीति का एक महत्वपूर्ण आधार मुस्लिम—यादव समीकरण रहा है। लेकिन ओवैसी इसी समीकरण में सेंध लगाने की रणनीति के साथ मैदान में उतरते दिखाई दे रहे हैं। उनकी सभाओं में अब भाजपा से ज्यादा समाजवादी पार्टी और उसके नेतृत्व पर सवाल उठाए जा रहे हैं। ओवैसी का आरोप है कि चुनाव के वक्त मुस्लिम समुदाय से समर्थन मांगा जाता है, लेकिन सत्ता और राजनीतिक हिस्सेदारी के सवाल पर उसे अपेक्षित प्रतिनिधित्व नहीं मिलता।

ओवैसी की इस आक्रामकता के पीछे 2027 का चुनावी लक्ष्य साफ दिखाई देता है। वह उन विधानसभा क्षेत्रों में लगातार सभाएं कर रहे हैं, जहां समाजवादी पार्टी का प्रभाव रहा है। बहराइच के मटेरा से लेकर कैराना, रामपुर, मुरादाबाद, सहारनपुर और बिजनौर तक उनकी सभाओं का सिलसिला इसी रणनीति का हिस्सा है। कैराना की सभा में उन्होंने अखिलेश यादव पर परिवारवाद को लेकर निशाना साधा और आरोप लगाया कि मुस्लिम बहुल क्षेत्रों से पहले मुस्लिम प्रतिनिधि चुने जाते थे, लेकिन अब वहां भी यादव परिवार के सदस्यों को राजनीतिक अवसर मिल रहे हैं।

रामपुर में आजम खान का मुद्दा उठाकर ओवैसी ने अखिलेश यादव के नेतृत्व पर एक और सवाल खड़ा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि जब मुस्लिम नेताओं और कार्यकर्ताओं पर मुश्किलें आती हैं, तब समाजवादी पार्टी का नेतृत्व उतनी मजबूती से उनके साथ खड़ा नहीं होता, जितनी मजबूती से चुनाव के दौरान मुस्लिम मतदाताओं से समर्थन मांगता है। मुजफ्फरनगर दंगों का मुद्दा उठाकर भी वह अखिलेश सरकार के कार्यकाल को कठघरे में खड़ा कर रहे हैं। लेकिन ओवैसी की राजनीति का दूसरा और ज्यादा महत्वपूर्ण पहलू मायावती के साथ संभावित गठबंधन है। प्रेडप के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली ने मीडिया से बातचीत में कहा कि उनकी पार्टी बहुजन समाज पार्टी के साथ गठबंधन चाहती है। उनका कहना है कि दलितों और मुसलमानों का सामाजिक गठजोड़ स्वाभाविक राजनीतिक साझेदारी हो सकता है। पार्टी ने 2027 के चुनाव में लगभग 100 सीटों पर तैयारी करने की बात भी कही है।

यहीं से यूपी की जातीय और सामाजिक राजनीति में नए समीकरण की चर्चा तेज हो जाती है। राज्य की आबादी में दलितों की हिस्सेदारी लगभग 21 प्रतिशत और मुसलमानों की हिस्सेदारी करीब 19 प्रतिशत बताई जाती है। दोनों समुदायों की सामाजिक उपस्थिति और कई विधानसभा क्षेत्रों में उनका चुनावी प्रभाव इस प्रस्तावित गठबंधन को राजनीतिक चर्चा के केंद्र में ला रहा है। हालांकि मायावती की ओर से इस गठबंधन पर सहमति का कोई औपचारिक ऐलान नहीं हुआ है। ओवैसी की नजर चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी पर भी है।

देखा जाये तो ओवैसी के लिए बिहार का अनुभव भी इस रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में प्रेडप ने 28 सीटों पर चुनाव लड़कर पांच सीटें जीती थीं। इसके बाद उत्तर प्रदेश में भी पार्टी अपनी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान और सीटों पर दावेदारी को लेकर अधिक सक्रिय नजर आ रही है। इसके उलट 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में एआईएमआईएम ने 95 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन उसे कोई सीट नहीं मिली थी और पार्टी का कुल वोट प्रतिशत लगभग दो फीसदी रहा था। इस बीच, भाजपा भी ओवैसी की मायावती से नजदीकी की कोशिशों को राजनीतिक नजरिए से देख रही है। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने इसे सकारात्मक संकेत बताते हुए कहा कि यदि साथ आते हैं तो मुस्लिम मतों के विभाजन का असर समाजवादी पार्टी पर पड़ सकता है। इस तरह, अखिलेश यादव के सामने अब चुनौती सिर्फ भाजपा से मुकाबले की नहीं, बल्कि अपने पारंपरिक राजनीतिक आधार को संभाले रखने की भी है। ओवैसी मुस्लिम मतदाताओं के बीच राजनीतिक हिस्सेदारी का सवाल उठा रहे हैं, जबकि मायावती के साथ संभावित गठबंधन की चर्चा दलित राजनीति को भी इस बहस के केंद्र में ला रही है। बहरहाल, यूपी की सियासत में चुनाव से पहले गठबंधन बनते और बिगड़ते रहे हैं, लेकिन इस बार 'भीम और मीम' की चर्चा ने मुकाबले के पुराने समीकरणों को फिर बहस में ला दिया है। सवाल यह है कि क्या ओवैसी और मायावती के बीच राजनीतिक तालमेल की जमीन तैयार होगी या यह पहल समाजवादी पार्टी पर दबाव बनाने की रणनीति तक सीमित रहेगी? फिलहाल इतना तय है कि 2027 की चुनावी बिसात पर मुस्लिम प्रतिनिधित्व, दलित नेतृत्व और राजनीतिक हिस्सेदारी के सवालों ने नई जगह बना ली है।

भारत में चीनी घुसपैठ की चुनौती ?

—तनवीर जाफरी—



भारत और चीन के बीच लगभग 3,488 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा अर्थात एल ए सी पर सीमा विवाद है। भारत सरकार के आधिकारिक आंकड़ों और विभिन्न रक्षा व कूटनीतिक विशेषज्ञों के अनुसार, चीन पर भारत के मुख्य रूप से पश्चिमी, मध्य और पूर्वी तीन सेक्टर्स में अवैध कब्जा करने या बार—बार घुसपैठ करने के आरोप लगते रहे हैं। इनमें पश्चिमी सेक्टर यानी लद्दाख क्षेत्र वर्तमान में सबसे अधिक संवेदनशील है, जहाँ चीन ने बड़े भूभाग पर अवैध कब्जा कर रखा है और लगातार घुसपैठ की कोशिशें करता रहता है। इसमें चीन जम्मू—कश्मीरश्लद्दाख के लगभग 38,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र यानी अक्साई चिन पर अवैध रूप से कब्जा किए हुए है। पैंगोंग त्सो नामक 134 किलोमीटर लंबी झील के फिंगर एरिया 1 से 8 पर दोनों देशों की अलग—अलग धारणा है। जून 2020 के तनाव के दौरान चीनी सैनिकों पर फिंगर 4 तक भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ करने का आरोप लगा था। इसी तरह गलवान घाटी में जून 2020 में दोनों देशों के सैनिकों के बीच हिंसक झड़प हुई थी, जिसमें 20 भारतीय जवान शहीद हुए थे। उस समय भी चीन पर इस रणनीतिक घाटी में अपनी स्थिति आगे बढ़ाने का आरोप लगा था।इसके अतिरिक्त इसी पश्चिमी सेक्टर के डेपसांग मैदानी इलाके में और डेमचोक क्षेत्रों में भी चीनी सेना द्वारा भारतीय गश्ती दलों को रोकने और एलएसी के निकट टेंट गाड़ने के आरोप समय—समय पर लगते रहे हैं।

इसके अलावा देश के पूर्वी सेक्टर यानी अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम क्षेत्र में चीन की दावेदारी और घुसपैठ दोनों भारत के लिये गंभीर चिंता का विषय है। चीन तो पूरे अरुणाचल प्रदेश को श्दक्षिणी तिब्बतश (जांगनान) कहता है और भारत के इस अभिन्न अंग पर अपना दावा ठोकता है। अरुणाचल प्रदेश के तवांग क्षेत्र में दिसंबर 2022 में यांगत्से के पास और हाल ही में तवसिंग क्षेत्र के पास चीनी सैनिकों द्वारा भारतीय सीमा में घुसने के प्रयास किए गए, जिन्हें भारतीय सेना ने विफल कर दिया। जबकि स्थानीय विपक्ष और अनेक रिपोर्टों में चीन द्वारा कुछ किलोमीटर अंदर तक अस्थायी टेंट लगाने के आरोप भी लगाए गए हैं। चीन पर आरोप है कि उसने एलएसी के बेहद करीब या विवादित क्षेत्रों में श्मॉडल विलेजश और सड़कें बना ली हैं। इसके जवाब में भारत ने भी हाल ही में चीन द्वारा दावा की जाने वाली 28 जगहों के नाम आधिकारिक तौर पर निर्धारित कर अपनी स्थिति मजबूत की है।

सिक्किम सीमा पर स्थित नाकु ला दर्रे के पास भी चीनी सैनिकों द्वारा सीमा लांघने और भारतीय सेना के साथ आमने—सामने होने की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। मध्य सेक्टर के उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश इलाकों के भारत चीन सीमा क्षेत्रों को तुलनात्मक रूप से शांत माना जाता है, लेकिन यहाँ भी चीनी घुसपैठ के आरोप लगते रहे हैं। मिसाल के तौर पर उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित बाराहोती चरागाह क्षेत्र में चीनी सैनिकों और नागरिकों द्वारा एलएसी पार कर भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करने और बुनियादी ढाँचे को नुकसान पहुँचाने के आरोप कई बार लगे हैं। समय—समय पर चीन द्वारा वास्तविक नियंत्रण रेखा की यथास्थिति को बदलने और नए क्षेत्रों पर दावा ठोकने के आक्रामक प्रयास भी जारी रहते हैं। गत 22 अक्टूबर 2026 को राजस्थान के अलवर में आईटीबीपी के श्दिमवीर सम्मान समारोहश के दौरान महानिदेशक शत्रुजीत सिंह कपूर ने अपने सैनिकों को संबोधित करते हुए यह स्वीकार भी किया कि अरुणाचल प्रदेश में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर कई स्थानों पर चीनी सैनिकों के साथ आमने—सामने की स्थिति बनी हुई है और यह गतिरोध लगातार जारी है। उन्होंने एक व्यावहारिक और गंभीर सैन्य आकलन देते हुए यह भी कहा कि चीन ने अपनी सेना के आधुनिकीकरण में भारी निवेश किया है। इसलिए, पारंपरिक तरीकों से सीधे तौर पर चीन का मुकाबला करना मुश्किल हो सकता है।

महानिदेशक शत्रुजीत सिंह अपने उपरोक्त बयान देने के कुछ ही दिनों बाद 31 अक्टूबर सेवानिवृत्त भी हो गए परन्तु उनके वक्तव्य से देश की घरेलू राजनीति में एक बड़ा सियासी संग्राम शुरू हो गया। विपक्ष ने सरकार से मांग की कि वह राष्ट्रीय सुरक्षा, चीनी घुसपैठ की वास्तविक सीमा, और चीन के साथ बढ़ते व्यापार घाटे को लेकर संसद और देश के सामने स्थिति स्पष्ट करे। विपक्ष ने आरोप लगाया कि सीमा पर स्थिति गंभीर है जबकि सरकार इसे दबाने की कोशिश कर रही थी। चूंकि सीमा सुरक्षा से जुड़ा शत्रुजीत सिंह का यह बयान बेहद संवेदनशील था और इसने सुरक्षा से जुड़ी रणनीतिक सच्चाइयों को उजागर किया था, इसलिए विवाद बढ़ते ही आईटीबीपी के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से शत्रुजीत सिंह के इस भाषण के वीडियो को हटा दिया गया। परन्तु वीडियो हटा लेने से अपनी कमजोरियाँ खत्म नहीं हो जातीं ? एक बार इससे पहले भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी फरवरी 2023 में एक समाचार एजेंसी को दिए इंटरव्यू के दौरान चीन को बड़ी अर्थव्यवस्था और भारत को तुलनात्मक रूप से छोटी अर्थव्यवस्था बताते हुए व्यावहारिक कूटनीति की वकालत की थी। उस समय भी उनके इस बयान को लेकर विपक्षी दलों ने उन पर भारत की कमजोरी जाहिर करने का आरोप लगाया और सोशल मीडिया पर इस पर काफी बहस हुई थी।

भारत-नेपाल सीमा पर तैनात एसएसबी जवान ने सर्विस राइफल से मारी गोली, ड्यूटी के दौरान आत्महत्या



संवाददाता—महराजगंज। भारत–नेपाल सीमा पर तैनात एसएसबी के जवान मंजीत कुमार ने अपनी सर्विस राइफल से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना महराजगंज जिले में एसएसबी की 66वीं वाहिनी के खनुआ पोस्ट पर देर रात ड्यूटी के दौरान हुई। गोली की आवाज सुनकर साथी जवान मौके पर पहुंचे, जहां मंजीत खून से लथपथ पड़े थे। मंजीत बिहार के औरंगाबाद जिले के रहने वाले थे और 66वीं वाहिनी की खनुआ बीओपी (बार्डर आउट पोस्ट) पर तैनात थे। सूचना पर पुलिस और एसएसबी के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। स्वजन को घटना की सूचना दे दी गई है।

एसएसबी जवानों के मुताबिक करीब ढाई माह पहले मंजीत के बड़े भाई की मृत्यु हो गई थी। इसके बाद से वह मानसिक रूप से परेशान थे। तीन अक्टूबर को छुट्टी से लौटकर ड्यूटी पर आए थे। साथी जवानों के अनुसार, वह कई दिनों से चुपचाप रहते और कम बात करते थे। अधिकारियों ने कहा कि पारिवारिक दुख आत्महत्या की वजह हो सकती है, लेकिन अभी ठोस कारण सामने नहीं आया है। घटना के बाद एसएसबी अधिकारियों ने पोस्ट पर तैनात जवानों से पूछताछ की। मंजीत की सर्विस राइफल कब्जे में लेकर फोरेंसिक जांच के लिए भेजी गई है।

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम के बाद शव स्वजन को सौंपा जाएगा। साथी जवानों ने मंजीत को मिलनसार स्वभाव का बताया है। एसएसबी अधिकारियों के अनुसार, जवानों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए नियमित काउंसलिंग की जाती है। जांच पूरी होने के बाद ही आत्महत्या के सही कारणों का पता चल सकेगा। एएसपी सिद्धार्थ ने बताया कि एसएसबी की तरफ से जवान के आत्महत्या करने की सूचना दी गई है। शव को कब्जे में लेकर जांच की जा रही है।

ट्रैक्टर ने मां और 8–माह की बेटी को रौंदा, मौत

संवाददाता—गोण्डा। ट्रैक्टर–ट्रॉली की टक्कर से मां और 8 महीने की बेटी की मौत हो गई। हादसे में महिला का देवर गंभीर रूप से घायल हो गया। तीनों एक ही बाइक पर सवार थे। महिला अपने देवर के साथ बेटी को दवा दिलाने करनैलगंज जा रही थी। रविवार सुबह करीब 10.50 बजे की यह घटना कटरा बाजार थानाक्षेत्र के दुवहा–कटरा मार्ग की है। मृतका की पहचान दुबहा बाजार की साफिया और उसकी 8 माह की बेटी करिश्मा के रूप में हुई है। दुबहा बाजार में शाहिद (34) अपने परिवार के साथ रहते हैं। परिवार में पत्नी साफिया (30), दो बेटे रिजवान (12) और इमरान (4) और 8 महीने की बेटी करिश्मा है। शाहिद का भाई साबिर भी उनके साथ रहता है। शाहिद और साबिर दोनों मजदूरी करते हैं। शाहिद की बेटी करिश्मा की तबीयत खराब थी। रविवार सुबह साफिया अपने देवर साबिर के साथ उसे दवा दिलाने के लिए बाइक से करनैलगंज जा रही थीं। बाइक दुबहा–कटरा मार्ग पर चौहान पुरवा के पास पहुंची, तभी सामने से आ रही बेकाबू ट्रैक्टर–ट्रॉली ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि साफिया और उनकी गोद में मौजूद 8 महीने की बेटी करिश्मा की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, बाइक चला रहे साबिर सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। राहगीरों की सूचना पर कटरा बाजार थाने की पुलिस पहुंची और घायल साबिर को सीएचसी ले गई। वहां उनका इलाज चल रहा है। मां और बहन की मौत से साफिया के दोनों बेटों रिजवान (12) और इमरान (4) का रो–रोकर बुरा हाल है।

पुलिस ने मारपीट के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया

संवाददाता—गोण्डा। मोतीगंज थाना क्षेत्र में मारपीट के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामला 7 नवंबर 2026 को दर्ज किया गया था। पुलिस के मुताबिक, अमरजीत वर्मा पुत्र स्वर्गीय बरसाती लाल वर्मा, निवासी चहबचवा नौवरा ने लिखित शिकायत दी थी। इसके आधार पर मोतीगंज थाने में केस नंबर 254/2026 दर्ज किया गया। इसमें भारतीय न्याय संहिता की धारा 110, 115(2), 352 और 351(3) लगाई गई हैं। केस में गया प्रसाद वर्मा और तिलक राम वर्मा, दोनों पुत्र बनारसी लाल वर्मा, और केशव राम वर्मा पुत्र राम वकील वर्मा को आरोपी बनाया गया। तीनों चहबचवा, मोहना नौवरा, थाना मोतीगंज, गोंडा के निवासी हैं।

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर थानाध्यक्ष तेजनरायन गुप्ता ने टीम बनाई। अपर पुलिस अधीक्षक और सहायक पुलिस अधीक्षकक्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई की। विवेचक वरिष्ठ उपनिरीक्षक रामभवन पासवान पुलिसकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे और तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

नहीं रहे देवरिया के पूर्व सांसद श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी, दिल्ली में इलाज के दौरान निधन



संवाददाता—देवरिया। देवरिया के पूर्व सांसद एवं भारतीय सेना के सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी का रविवार सुबह 11:15 बजे दिल्ली के एक अस्पताल में निधन हो गया। वह काफी समय से अस्वस्थ चल रहे थे और उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती थे। उनके निधन की जानकारी उनके पुत्र एवं देवरिया के वर्तमान सांसद शशांक मणि त्रिपाठी ने इंटरनेट मीडिया के माध्यम से दी। उनके निधन की खबर से जिले में शोक की लहर दौड़ गई। राजनीतिक, सामाजिक और सैन्य क्षेत्र से जुड़े लोगों ने शोक व्यक्त किया।

लेफ्टिनेंट जनरल श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी का जन्म 30 जून 1935 को देवरिया जिले के बैतालपुर विकासखंड के बरपार गांव में हुआ था। उन्होंने जून 1955 में भारतीय सेना में कमीशन प्राप्त किया और अपनी उत्कृष्ट सेवाओं के बल पर लेफ्टिनेंट जनरल के पद तक पहुंचे। वर्ष 1971 के भारत–पाक युद्ध (बांग्लादेश मुक्ति संग्राम) में उन्होंने सक्रिय भूमिका निभाई। वह वर्ष 1992 से 1993 तक सेना में उप–सेनाध्यक्ष (डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ) के पद पर भी रहे।

सेना में विशिष्ट सेवाओं के लिए उन्हें वर्ष 1986 में अति विशिष्ट सेवा मेडल (एवीएसएम) और वर्ष 1992 में परम विशिष्ट सेवा मेडल (पीवीएसएम) से सम्मानित किया गया था। सैन्य सेवा से सेवानिवृत्त होने के बाद उन्होंने राजनीति में कदम रखा और भारतीय जनता पार्टी से जुड़ गए। वर्ष 1996 में उन्होंने पहली बार भाजपा के टिकट पर देवरिया लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा और जीत हासिल कर संसद पहुंचे। इसके बाद वर्ष 1999 में भी उन्होंने जीत दर्ज की और दूसरी बार लोकसभा सदस्य बने। उन्हें देवरिया से भाजपा का पहला सांसद बनने का गौरव प्राप्त था।

उनके पुत्र शशांक मणि त्रिपाठी वर्तमान में देवरिया से भाजपा के सांसद हैं। उनके निधन से जिले ने एक ऐसे व्यक्तित्व को खो दिया है, जिसने सैन्य सेवा और संसदीय राजनीति, दोनों क्षेत्रों में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई।

खेत में भरे पानी में उतराता मिला युवक का शव



संवाददाता—श्रावस्ती। भिनगा कोतवाली क्षेत्र के इटवरिया चौराहे के पास रंजीतपुर–कोड़री मोड़ पर रविवार सुबह करीब 8रू00 से 9रू00 के बीच खेत में भरे पानी में एक युवक का शव उतराता मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। शव मिलने की सूचना पर मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। मृतक की पहचान अमवा कोड़री निवासी शिव कुमार वर्मा के रूप में हुई है। बताया जाता है कि शिव कुमार शनिवार देर शाम किसी काम से घर से निकले थे, लेकिन वापस नहीं लौटे। रविवार को उनका शव इटवरिया चौराहे के पास रंजीतपुर–कोड़री मोड़ स्थित एक खेत में भरे पानी में उतराता मिला। शव देखते ही स्थानीय लोगों में सनसनी फैल गई और इसकी सूचना पुलिस को दी गई।

स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि शिव कुमार शराब पीने के आदी थे। आशंका जताई जा रही है कि शनिवार देर रात शराब के नशे में घर लौटते समय उनका पैर फिसल गया होगा और वह खेत में भरे पानी में गिर गए होंगे। पानी में डूबने से उनकी मौत होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। हालांकि, अभी तक मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है।

घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। युवक की मौत को लेकर क्षेत्र में तरह–तरह की चर्चाएं हो रही हैं। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच में जुटी है।

कुष्ठ और टीबी से प्रभावित लोगों के साथ दीपावली मनाई, सुकरौली के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में बांटी सामग्री और दवाएं

संवाददाता—कुशीनगर। दीपावली का पर्व खुशियों, आपसी प्रेम और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। इसी भावना को आत्मसात करते हुए नयी दिशा पर्यावरण सेवा संस्थान ने रविवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सुकरौली में कुष्ठ एवं टीबी से प्रभावित महिला और पुरुषों के साथ दीपावली का पर्व आत्मीयता और उत्साह के साथ मनाया। इस पहल के माध्यम से संस्थान ने समाज के उन लोगों के बीच खुशियां बांटने का प्रयास किया, जिन्हें अक्सर सामाजिक उपेक्षा और भेदभाव का सामना करना पड़ता है।



कार्यक्रम के दौरान कुष्ठ एवं टीबी से प्रभावित लोगों को दीपावली के अवसर पर दीपोत्सव से संबंधित आवश्यक सामग्री भेंट की गई। उपहार पाकर उनके चेहरों पर खुशी और उत्साह देखने को मिला। संस्थान के सदस्यों ने सभी से आत्मीय संवाद कर उन्हें पर्व की शुभकामनाएं दीं तथा यह संदेश दिया कि त्योहारों की वास्तविक खुशी समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलने में है।

इस अवसर पर लाभार्थियों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए चिकित्सकीय परामर्श भी उपलब्ध कराया गया। साथ ही आवश्यक दवाओं का वितरण किया गया, ताकि प्रभावित लोगों को उपचार एवं स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं का लाभ मिल सके। आयोजन के माध्यम से स्वास्थ्य जागरूकता, मानवीय संवेदना और सामाजिक समानता का संदेश भी दिया गया।

कार्यक्रम का संयोजन श्री रमेश प्रसाद त्रिपाठी ने किया। आयोजन को सफल बनाने में उनकी विशेष भूमिका रही। इस अवसर पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के वरिष्ठ चिकित्साधिकारी डॉ. धर्मेंद्र तिवारी तथा नयी दिशा पर्यावरण सेवा संस्थान के सचिव डॉ. हरिओम मिश्र सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। संस्थान की इस पहल की सराहना करते हुए उपस्थित लोगों ने कहा कि समाज के वंचित एवं बीमारी से प्रभावित लोगों के साथ त्योहार मनाना सच्ची मानवता और सामाजिक जिम्मेदारी का परिचायक है। ऐसे आयोजन न केवल जरूरतमंदों के जीवन में खुशियां भरते हैं, बल्कि समाज में व्याप्त भेदभाव और संकोच को दूर कर अपनत्व एवं समानता की भावना को भी मजबूत करते हैं।

हाईवे और सर्विस–लेन पर दीपावली पर जाम लगा

संवाददाता—कुशीनगर। दीपावली के दिन रविवार को फाजिलनगर का पूरा बाजार और राष्ट्रीय राजमार्ग जाम की चपेट में रहा। सुबह से ही बाजार में उमड़ी भारी भीड़ के बीच वाहनों का दबाव इस कदर बढ़ा कि हाईवे से लेकर सर्विस लेन तक गाड़ियों की लंबी कतारें लग गईं। त्योहार के मद्देनजर बाजार में खरीदारी करने पहुंचे लोगों की भीड़ और हाईवे से गुजरने वाले वाहनों का दबाव एक साथ बढ़ने से यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। सर्विस लेन पर भी वाहनों की लंबी कतारें लगने से स्थानीय लोगों, दुकानदारों और राहगीरों को आने–जाने में काफी दिक्कत हुई। कई वाहन चालक काफी देर तक जाम में फंसे रहे। दोपहिया वाहन चालकों को भी रास्ता निकालने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी।

हैरानी की बात यह रही कि त्योहार को देखते हुए प्रशासन की सक्रियता तो नजर आ रही है, लेकिन यातायात के बढ़ते दबाव के हिसाब से इंतजाम नाकाफी साबित हुए। जिस पैमाने पर पुलिस और यातायात कर्मियों की तैनाती होनी चाहिए थी, वह व्यवस्था जमीन पर दिखाई नहीं दी। बाजार के प्रमुख स्थानों और हाईवे से जुड़ने वाले रास्तों पर बेहतर यातायात प्रबंधन की जरूरत साफ नजर आई। स्थानीय लोगों का कहना है कि दीपावली जैसे बड़े त्योहार पर बाजार में भीड़ बढ़ना स्वाभाविक है। ऐसे में पहले से यातायात की ठोस योजना बनाकर पुलिसकर्मियों की तैनाती, बड़े वाहनों के आवागमन पर नियंत्रण और सर्विस लेन को खाली रखना जरूरी था। फाजिलनगर में दीपावली की रौनक के बीच लगे इस महाजाम ने यातायात व्यवस्था की तैयारियों की पोल खोल दी। सवाल यह है कि जब त्योहारों पर पहले से भीड़ का अनुमान था तो फिर जाम से निपटने के पुख्ता इंतजाम क्यों नहीं किए गए?

दीपावली की विजिबिलीटी 10 मीटर रही

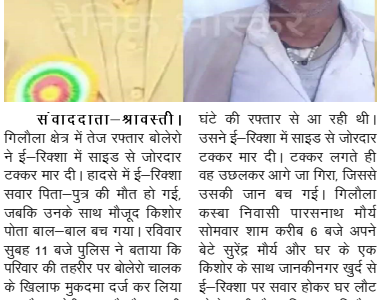
संवाददाता—देवरिया। शनिवार देर शाम से छाया घना कोहरा रविवार सुबह भी जारी रहा। दीपावली की सुबह शहर और ग्रामीण इलाकों में दृश्यता घटकर करीब 10 मीटर रह गई। वाहन चालक फॉग लाइट और हेडलाइट जलाकर धीमी रफ्तार से चलते दिखे। शनिवार देर शाम से सड़कों पर दृश्यता कम होने लगी थी। रात में हाईवे और मुख्य मार्गों पर वाहन चालकों को परेशानी हुई। रविवार भोर में कोहरा और घना हो गया। दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को सामने से आ रहे वाहन साफ नहीं दिख रहे थे। हादसे की आशंका के चलते चालक सावधानी से वाहन चला रहे थे। लंबी दूरी की यात्रा करने वाले लोगों को भी परेशानी हुई। कोहरे के साथ ठंडी हवाओं से मौसम में बदलाव आया। सुबह तापमान करीब 22 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम के पूर्वानुमान के मुताबिक, रविवार को अधिकतम तापमान 29 और न्यूनतम 18 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। सुबह घरों से निकलने वाले लोग गर्म कपड़े पहने दिखे।

स्कॉर्पियो टकराने पर विवाद के बाद फायरिंग, युवक के पेट में लगी गोली

संवाददाता—देवरिया। शहर के गोरखपुर रोड पर शनिवार देर रात दो स्कॉर्पियो के आपस में रगड़ने के बाद विवाद हो गया। आरोप है कि इस दौरान दूसरी स्कॉर्पियो में सवार एक युवक ने पिस्टल से गोली चला दी। गोली पेट में नाभि के पास लगने से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे पहले महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया। फिलहाल गोरखपुर के एक निजी मेडिकल कॉलेज में उसका इलाज चल रहा है। सदर कोतवाली क्षेत्र के रामगुलाम टोला निवासी देव सिंह राजा, नीरज सिंह उर्फ दंगल सिंह के पुत्र हैं। वह शनिवार रात करीब तीन बजे पांच साथियों के साथ अपने चाचा को रिसीव करने रेलवे स्टेशन गए थे। वहां से लौटते समय गोरखपुर रोड पर उनकी स्कॉर्पियो दूसरी स्कॉर्पियो से रगड़ गई। इसी बात को लेकर दोनों वाहनों में सवार लोगों के बीच कहासुनी शुरू हो गई और विवाद बढ़ गया। बताया जा रहा है कि विवाद के बाद राजा ने अपनी स्कॉर्पियो से दूसरी गाड़ी का पीछा किया। इसी दौरान उनकी स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे नाले में चली गई। आरोप है कि तभी दूसरी स्कॉर्पियो में सवार एक युवक ने पिस्टल निकालकर राजा को निशाना बनाते हुए गोली चला दी। गोली पेट में लगते ही वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। परिजनों का आरोप है कि गोली चलाने वाला युवक आपराधिक प्रवृत्ति का है। उसके खिलाफ देवरिया से लखनऊ तक अलग–अलग थानों में आठ से दस संगीन आपराधिक मामले दर्ज होने की बात कही जा रही है। हालांकि, पुलिस ने अभी इसकी पुष्टि नहीं की है।

सीओ सिटी संजय कुमार रेड्डी ने बताया कि गोरखपुर रोड पर युवक को गोली लगने की घटना की जांच की जा रही है। मामले में जानकारी जुटाई जा रही है। घायल पक्ष की ओर से शिकायती पत्र मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बोलेरो की टक्कर से पिता–पुत्र की मौत, पोता उछलकर दूर गिरा तो बची जान



संवाददाता—श्रावस्ती। गिलौला क्षेत्र में तेज रफ्तार बोलेरो ने ई–रिक्शा में साइड से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में ई–रिक्शा सवार पिता–पुत्र की मौत हो गई, जबकि उनके साथ मौजूद किशोर पोता बाल–बाल बच गया। रविवार सुबह 11 बजे पुलिस ने बताया कि परिवार की तहरीर पर बोलेरो चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी फरार है और उसकी तलाश की जा रही है। हादसे में सुरक्षित बचे किशोर ने बताया कि बोलेरो करीब 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आ रही थी। उसने ई–रिक्शा में साइड से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही वह उछलकर आगे जा गिरा, जिससे उसकी जान बच गई। गिलौला कस्बा निवासी पारसनाथ मौर्य सोमवार शाम करीब 6 बजे अपने बेटे सुरेंद्र मौर्य और घर के एक किशोर के साथ जानकीनगर खुर्द से ई–रिक्शा पर सवार होकर घर लौट रहे थे। इसी दौरान सिसवारा–गिलौला मार्ग पर अंधेरे में सामने से आ रही तेज रफ्तार बोलेरो ने ई–रिक्शा में टक्कर मार दी।

टक्कर के बाद ई–रिक्शा सड़क किनारे पेड़ से जा टकराया, जबकि बोलेरो पलट गई। हादसे में पारसनाथ की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल सुरेंद्र को सीएचसी गिलौला से मेडिकल कॉलेज बहराइच रेफर किया गया। मंगलवार को इलाज के दौरान उनकी भी मौत हो गई। स्थानीय लोगों के मुताबिक, पारसनाथ के चार बेटे थे। मृतक सुरेंद्र अपने पीछे एक बेटा और एक बेटी छोड़ गए हैं। दोनों अभी पढ़ाई कर रहे हैं। गिलौला बाजार में पारसनाथ की दो दुकानें थीं। इन्हीं से परिवार का खर्च चलता था। हादसे में पिता–पुत्र की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। हादसे के बाद बोलेरो चालक अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। पारसनाथ के बेटे हरिश्चंद्र की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी चालक फूलचंद निवासी मोहनीपुर, थाना इकौना के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि फरार चालक की तलाश की जा रही है।

भोजपुरी गाने पर बच्चों संग थिरके बीजेपी विधायक प्रतीक भूषण



संवाददाता—गोण्डा। दीपावली के मौके पर रविवार को गोंडा में भाजपा विधायक प्रतीक भूषण सिंह का अलग अंदाज देखने को मिला। पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह के पैतृक आवास विश्नोहरपुर में दीपावली की खुशियां बांटने पहुंचे सैकड़ों बच्चों के बीच विधायक भी शामिल हुए। इस दौरान बच्चों की फरमाइश पर विधायक ने भोजपुरी गाने पर उनके साथ जमकर डांस किया। विधायक के डांस का वीडियो रविवार दोपहर करीब 3 बजे सोशल मीडिया पर सामने आया है। दरअसल, दीपावली के उपलक्ष्य में रविवार सुबह करीब 11:30 बजे विश्नोहरपुर स्थित बृजभूषण शरण सिंह के आवास पर उपहार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसमें बड़ी संख्या में बच्चे पहुंचे थे। डीजे पर भोजपुरी गाना प्रखंड हो या जिला, बबुआने से हिला बजते ही विधायक खुद को रोक नहीं पाए। बच्चों के साथ डांस करने लगे। उन्होंने गाने के बोल भी गाए और बच्चों के साथ जमकर ठुमके लगाए। वीडियो में प्रतीक भूषण सिंह बच्चों के बीच डीजे पर बज रहे भोजपुरी गाने पर पूरे उत्साह के साथ डांस करते नजर आ रहे हैं।

विधायक प्रतीक भूषण सिंह ने बताया कि दीपावली के अवसर पर काफी संख्या में बच्चे उनसे मिलने आए थे। उन्होंने बच्चों को उपहार दिए और त्योहार की शुभकामनाएं दीं। बच्चे अपनी पसंद का गाना बजाने की जिद कर रहे थे। इसलिए वह भी उनकी खुशी में शामिल हो गए। उन्होंने कहा– दीपावली खुशियां बांटने का त्योहार है। बच्चों की मासूम फरमाइश को टालना ठीक नहीं लगा, इसलिए उनके साथ डांस किया।

मातम में बदली खुशियां, ओमान से दीवाली पर घर आए युवक की हुई मौत



संवाददाता—महराजगंज। बाइक के अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराने से गंभीर रूप से घायल हो गए युवक की उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। घायल हुए युवक की उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। रविवार सुबह करीब पांच बजे गोरखपुर के एक निजी अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। वह एक सप्ताह पूर्व ही दीपावली पर छुट्टी लेकर घर आए थे। मृत्यु की खबर मिलते ही स्वजन की चीख–पुकार मच गई।

श्यामदेउरवा थाना क्षेत्र के मलमलिया उर्फ सिरसिया निवासी 45 वर्षीय शिवधर यादव ओमान में रहकर फर्नीचर का काम करते थे। शनिवार को वह नगर पंचायत के ६ नगड़ा में रिश्तेदारी में गए थे। इसके बाद शाम करीब 4रू30 बजे घर लौटे रहे थे। इसी दौरान धनगड़ा और देवीपुर के बीच नहर के पास उनकी बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई थी।

हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। स्थानीय लोगों ने उन्हें सीएचसी परतावल पहुंचाया, जहां चिकित्सक डा. अनिल कुमार जायसवाल ने प्राथमिक उपचार किया। इसके बाद हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल महराजगंज रेफर कर दिया। लेकिन स्वजन उन्हें गोरखपुर के एक निजी अस्पताल ले गए, जहां रविवार सुबह उनकी मृत्यु हो गई। हादसे से पत्नी संध्या यादव, बेटे शिवम और तीन बेटियों अनामिका, दिव्या व मोनिका रो–रोकर बेसुध हैं। चारों बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया। पिता की मृत्यु से पत्नी और बच्चों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। जिस घर में दीपावली की खुशियां थीं, वहां अब मातम पसरा हुआ है।

अन्नकूट महोत्सव व पशु प्रदर्शनी के आयोजन की तैयारी जोरों पर

संवाददाता—कुशीनगर। होरलापुर में सोमवार को अन्नकूट महोत्सव एवं पशु प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव को लेकर आयोजकों की ओर से तैयारियां की जा रही हैं। इस आयोजन में यूपी–बिहार के नामी–गिरामी पहलवान कला–कौशल का प्रदर्शन करते हैं। आयोजक व वरिष्ठ अधिवक्ता विवेकानंद मिश्र ने बताया कि अन्नकूट महोत्सव धार्मिक आस्था और परंपरा से जुड़ा आयोजन है। इस अवसर पर भगवान को अन्नकूट का भोग अर्पित कर पूजा–अर्चना की जाएगी। वहीं, पशु प्रदर्शनी में विभिन्न प्रजातियों के पशुओं का प्रदर्शन आकर्षण का केंद्र रहेगा। पशुपालकों को अपने पशुओं की विशेषताओं और उनकी देखभाल से जुड़ी जानकारी साझा करने का अवसर भी मिलेगा शाम को पांच बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन होगा इसके माध्यम से ग्रामीण संस्कृति, पशुपालन और पारंपरिक मेल–मिलाप को बढ़ावा देने का प्रयास किया जाएगा। महोत्सव का आयोजन पिछले 21 वर्षों से हो रहा है। क्षेत्रीय लोगों की सहभागिता से आयोजन को उत्सव का रूप देने की तैयारी जोर–शोर से चल रही है।

भाजपा में सम्मान नहीं मिला, इसलिए सपा में आया– देव प्रताप सिंह

संवाददाता—श्रावस्ती। जिला पंचायत सदस्य देव प्रताप सिंह ने समाजवादी पार्टी में शामिल होने के बाद आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर अपनी प्राथमिकताएं बताईं। रविवार शाम करीब चार बजे मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य श्रावस्ती की दोनों विधानसभा सीटों पर सपा को जीत दिलाना और जिले का विकास करना है। उन्होंने 2027 के विधानसभा चुनाव में सपा की 350 से ज्यादा सीटें जीतकर सरकार बनाने का दावा भी किया। देव प्रताप सिंह करीब 10 दिन पहले सपा में शामिल हुए थे। उनके पिता और समाजसेवी तेज प्रताप सिंह ने भी पार्टी की सदस्यता ली है। देव प्रताप ने कहा कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से जो भी आदेश मिलेगा, उसे कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर पूरा करेंगे।

श्रावस्ती की दोनों विधानसभा सीटें जीतकर सबसे बड़ी माला लखनऊ भेजना उनका लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि जिले के वरिष्ठ पदाधिकारियों का फैसला सभी के लिए सर्वोपरि होगा। भाजपा छोड़ने के सवाल पर देव प्रताप ने कहा कि वहां उन्हें सम्मान नहीं मिल रहा था। इसी वजह से उन्होंने पार्टी छोड़ने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि पार्टी ने मौका दिया तो श्रावस्ती का पिछड़ापन दूर करने और जिले को विकास की राह पर आगे बढ़ाने के लिए काम करेंगे। श्रावस्ती विधानसभा सीट से सपा के कई दावेदार होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि जहां विकास की बात होती है, वहां दावेदारों की भीड़ जुटती है। उन्होंने सपा कार्यालय में टिकट मांगने वालों की भीड़ का जिक्र करते हुए इसकी तुलना दूसरे दलों के कार्यालयों से की। उनके मुताबिक, इससे प्रदेश के राजनीतिक माहौल का अंदाजा लगाया जा सकता है। देव प्रताप सिंह को श्रावस्ती विधानसभा क्षेत्र में युवा और चर्चित राजनीतिक चेहरों में गिना जाता है। उनकी युवाओं समेत विभिन्न वर्गों में अच्छी पकड़ बताई जाती है। आगामी विधानसभा चुनाव में उन्हें भी संभावित दावेदार माना जा रहा है। हालांकि, उन्होंने फिलहाल अपनी प्राथमिकता श्रावस्ती की दोनों सीटों पर सपा की जीत और जिले के विकास को बताया।

दीपावली पर हनुमानगढ़ी और रामलला के दरबार में पहुंचे सीएम योगी, मंदिर परिसर में जलाया दीप



संवाददाता—अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अब अयोध्या में रामभक्तों पर गोलियां नहीं चलेंगी और जय श्रीराम बोलने पर कोई लाठी—डंडे नहीं चला सकेगा। पंचकोसी, 14 कोसी और 84 कोसी परिक्रमा पर भी कोई प्रतिबंध नहीं लगा पाएगा। यह हम सबके संकल्प का प्रतीक बनना चाहिए। अयोध्या के वैभव को लूटने और बदनाम करने की कुदृष्टि अब नहीं पड़ने देंगे। सभी संकल्प लें कि आने वाले समय में हमारी अयोध्या पर किसी मंथरा और मारीच की कुदृष्टि न पड़े। मुख्यमंत्री रविवार को रामघाट हाल्ट के निकट निषाद बस्ती में आयोजित दीपावली मिलन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने सफाईकर्मियों, नाविकों, माझियों, निषाद समाज और स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पार्षदों को सम्मानित किया और दीपावली का उपहार भेंट किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि दीपोत्सव में 30 लाख से अधिक दीप प्रज्वलित हुए। देर रात तक श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही, लेकिन सुबह जब वह बाहर निकले तो सभी घाट स्वच्छ और सुंदर दिखाई दिए। कहीं गंदगी, अव्यवस्था या अराजकता नहीं थी। यह सफाईकर्मियों के परिश्रम और सेवाभाव का परिणाम है। उन्होंने कहा कि अयोध्या की पहचान उसकी स्वच्छता और व्यवस्था से बनती है। जब कोई व्यक्ति बाहर जाकर गर्व से कहे कि वह अयोध्या से आया है तो सामने वाले के मन में भी सम्मान का भाव पैदा होना चाहिए। इसके लिए शहर को स्वच्छ, सुंदर और सुव्यवस्थित रखना हम सभी की जिम्मेदारी है।

योगी ने कहा कि दीपोत्सव के दौरान सरयू आरती में नाविकों और माझियों ने पूरी मुस्तैदी से अपने दायित्वों का निर्वहन किया। हर शनिवार—रविवार, अमावस्या, पूर्णिमा और प्रमुख पर्वों पर लाखों श्रद्धालु सरयू में स्नान और दर्शन के लिए आते हैं। ऐसे में नाविकों, माझियों और निषाद समाज का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी का आभार जताते हुए कहा कि अयोध्या की इस विरासत को आगे बढ़ाने में इनका योगदान हमेशा याद किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने भगवान श्रीराम के जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि निषादराज, माता शबरी, वानर और भालुओं के सहयोग से भगवान श्रीराम ने राक्षसी शक्तियों के खिलाफ मोर्चाबंदी की थी और विजय प्राप्त की थी। भगवान श्रीराम के अयोध्या लौटने की खुशी में पूरे भारतवर्ष में दीप जलाकर उनका स्वागत किया गया। हजारों वर्ष पुरानी परंपराओं को दीपावली, होली, रक्षाबंधन, विजयादशमी, रामनवमी, विवाह पंचमी और अयोध्या के झूला मेले जैसे आयोजन आज भी जीवंत बनाए हुए हैं।

योगी ने कहा कि आज की अयोध्या को देखकर हर व्यक्ति उत्साहित होता है। सरकार निर्माण करा सकती है, लेकिन विकास की विरासत को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी स्थानीय लोगों की भी है। सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा और संरक्षण सभी का दायित्व है। नई अयोध्या के निर्माण में पार्षदों, सफाईकर्मियों, माझियों और प्रत्येक नागरिक का योगदान है। आने वाली पीढ़ियां इस योगदान को याद करेंगी। उन्होंने सभी से अपील की कि अयोध्या को स्वच्छ, सुंदर, सुव्यवस्थित और मर्यादित बनाए रखने का संकल्प लें। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए अवधेश निषाद, सूरज निषाद, चंदा निषाद, कौशल्या निषाद, रेनू निषाद, काजल निषाद, आराध्या, माधवी गौतम, अंश, ज्योति, सुनीता, बब्बन, संदीप और अरुण को सम्मानित किया। इनमें सफाईकर्मियों के साथ उनके बच्चे भी शामिल रहे।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले पार्षदों में पाटेश्वरी नगर की कुंती पांडेय, चित्रगुप्त नगर की मनीषा यादव, लाला लाजपत नगर के रामतीर्थ, कल्याण सिंह वार्ड के सूर्य कुमार तिवारी और झूलेलाल नगर के अभिनव पांडेय को सम्मानित किया गया। मां सरयू की स्वच्छता में योगदान देने वाले गोताखोरों सतीश माजी, ब्रजेश माजी, जग्गू माजी, बाबू निषाद और अभिषेक निषाद को भी सम्मान प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री ने सभी को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए अयोध्या की सांस्कृतिक विरासत, पवित्रता और विकास को सुरक्षित रखने का आह्वान किया।

दसवें दीपोत्सव—2026 के सफल भव्य आयोजन के बाद रविवार सुबह गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामनगरी के प्रमुख मंदिरों में पहुंचकर दर्शन—पूजन किया। दिन की शुरुआत उन्होंने संकट मोचन हनुमानगढ़ी में बजरंगबली के चरणों में शीश नवाकर की। वैदिक मंत्रोच्चार और पारंपरिक विधि—विधान के बीच पूजा—अर्चना करते हुए उन्होंने श्रीराम भक्त हनुमान से प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और कल्याण की कामना की। इसके बाद मुख्यमंत्री श्रीराम जन्मभूमि परिसर पहुंचे और प्रभु श्रीरामलला के समक्ष श्रद्धापूर्वक नमन किया।

गोरक्षपीठाधीश्वर के हनुमानगढ़ी पहुंचते ही पूरा मंदिर परिसर जय श्रीराम के उद्घोष से गुंजायमान हो उठा। संतों एवं पुजारियों ने पारंपरिक रीति से उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने संकट मोचन के समक्ष माथा टेककर विधिवत आराधना की और प्रदेश में सुख—शांति, खुशहाली तथा जनकल्याण के लिए प्रार्थना की। दसवें दीपोत्सव के भव्य आयोजन के बाद रामनगरी में उनका यह धार्मिक प्रवास श्रद्धा और आस्था के भावों से परिपूर्ण रहा।

हनुमानगढ़ी में दर्शन के पश्चात मुख्यमंत्री सीधे श्रीराम जन्मभूमि परिसर पहुंचे। यहां उन्होंने प्रभु श्रीरामलला की आरती उतारी और मंदिर की परिक्रमा की। इसके बाद राम दरबार में भी विधि—विधान से पूजन—अर्चन कर प्रदेश की निरंतर उन्नति और नागरिकों के मंगलमय जीवन की प्रार्थना की। दर्शन के बाद बाहर निकलने पर श्रद्धालुओं ने जयघोष के साथ उनका अभिवादन किया। मुख्यमंत्री ने हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया।

अयोध्या प्रवास के दौरान गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहने की कामना की। दसवें दीपोत्सव की भव्यता और विश्व कीर्तिमान की उपलब्धि के बीच मुख्यमंत्री का प्रमुख मंदिरों में दर्शन—पूजन रामनगरी के आध्यात्मिक माहौल को और गरिमामय बना गया।

फाइनेंस कंपनी कार्यालय में युवती की संदिग्ध मौत, परिवार वालों ने लगाया हत्या का आरोप



संवाददाता—गोरखपुर। शाहपुर के तिनकोनिया नंबर एक स्थित ईस्टर्नपुर कालोनी में शनिवार रात फाइनेंस कंपनी के कार्यालय में 20 वर्षीय युवती निंकी का शव फंदे से लटका मिला। बेटी का शव देखकर मां बदहवास हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर बीआरडी मेडिकल कालेज के मॉर्चुयरी भेज दिया। रविवार सुबह युवती के स्वजन और ग्रामीण कार्यालय के बाहर जुट गए। उन्होंने हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा और प्रदर्शन किया। परिजनों ने सूरज यादव पर हत्या का आरोप लगाया है।

निंकी शाहपुर के ईस्टर्नपुर मरटोलिया की रहने वाली थी। उसके पिता राजमन वेल्डिंग का काम करते हैं, जबकि मां विमला परिषदीय विद्यालय में रसोइया हैं। चार बहनों में निंकी सबसे छोटी थी। उसका एक भाई भी है, जो गाड़ी की सर्विस का काम करता है। परिजनों के मुताबिक, शनिवार रात निंकी घर नहीं पहुंची तो मां विमला उसकी तलाश में निकलीं। रात करीब 9:42 बजे वह ईस्टर्नपुर स्थित फाइनेंस कंपनी के कार्यालय पहुंचीं। वहां बाहर बेटी की चप्पल और स्कूटी रखी थी। कार्यालय का शटर खुला हुआ था। मां ने शटर उठाकर अंदर देखा तो निंकी का शव फंदे से लटक रहा था। यह दृश्य देखकर वह चीख पड़ीं। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची।

परिजनों के अनुसार, कार्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरे बंद थे। ऐसे में घटना के समय कार्यालय में कौन मौजूद था और युवती किन परिस्थितियों में वहां पहुंची, इसे लेकर सवाल उठ रहे हैं। रविवार सुबह घटना की जानकारी फैलने पर युवती के परिजन और मोहल्ले के लोग कार्यालय के बाहर जुट गए। मां विमला, पिता राजमन और बहनों ने सूरज यादव पर हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। मां बेटी को याद कर रोती—बिलखती रही। ग्रामीणों ने भी घटना की निष्पक्ष जांच और आरोपित के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस परिजनों को समझाने और मामले की जानकारी जुटाने में लगी रही। सीओ गोरखनाथ रवि कुमार सिंह ने बताया कि युवती की मौत की वजह स्पष्ट नहीं है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति साफ होगी।

सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेलते पांच लोग गिरफ्तार

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। राजेसुल्तानपुर थाना क्षेत्र के बलरामपुर गांव में सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेल रहे पांच लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से 870 रुपये नकद और 52 ताश के पत्ते बरामद किए हैं। मामले में सभी आरोपितों के खिलाफ सार्वजनिक जुआ अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की गई है। पुलिस के अनुसार, पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह के निर्देश पर अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत राजेसुल्तानपुर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि बलरामपुर गांव में कुछ लोग ताश के पत्तों से जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और जुआ खेल रहे पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए लोगों की पहचान बलरामपुर निवासी दिलीप निषाद (20), रामनवमी निषाद (38), जगदीश निषाद (50), हरि गोविन्द (32) और नंदलाल निषाद (35) के रूप में हुई। पुलिस ने मौके से मालफड़ के 250 रुपये तथा जामातलाशी के 620 रुपये सहित कुल 870 रुपये नकद और 52 ताश के पत्ते बरामद किए। पुलिस द्वारा सभी पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ सार्वजनिक जुआ अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार अभियुक्त जगदीश निषाद के खिलाफ पूर्व में भी वर्ष 2024 में मारपीट सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज है।गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक अनुज यादव, कांस्टेबल विजय बहादुर यादव, सतेन्द्र कुमार और बृजमोहन शामिल रहे।

फुल्की खाने के बाद दो गांवों में 50 से अधिक लोग बीमार



संवाददाता—सिद्धार्थनगर। खेसरहा थाना क्षेत्र के कलनाखोर और पेडारी गांव में फुल्की खाने के बाद 50 से अधिक लोगों की तबीयत बिगड़ गई। शुक्रवार और शनिवार को गांवों में घूम—घूमकर फुल्की बेचने वाले से नाश्ता करने के बाद रात में लोगों को उल्टी—दस्त की शिकायत शुरू हो गई। कुछ ही घंटों में कई परिवारों के लोग इसकी चपेट में आ गए। बच्चों समेत करीब 15 मरीजों को उपचार के लिए माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया है। एक साथ दो गांवों में बड़ी संख्या में लोगों के बीमार पड़ने से ग्रामीणों में चिंता है। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार और शनिवार को एक व्यक्ति कलनाखोर और पेडारी गांव में घूमकर फुल्की बेच रहा था। ग्रामीणों ने उससे फुल्की खाई थी। इसके बाद रात में अचानक लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी। किसी को उल्टी तो किसी को दस्त की शिकायत हुई। परेशानी बढ़ने पर परिजन मरीजों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) खेसरहा ले गए। सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद भी जिन मरीजों की हालत में सुधार नहीं हुआ, उन्हें माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज भेजा गया। मेडिकल कॉलेज पहुंचे मरीजों में पांच वर्षीय दीक्षा, आठ वर्षीय दिव्या, दो वर्षीय कार्तिक और पांच वर्षीय सिद्धि भी शामिल हैं। बच्चों के बीमार होने से परिजन परेशान हैं।

दोनों गांवों में एक साथ बड़ी संख्या में लोगों के बीमार पड़ने के पीछे दूषित खाद्य सामग्री की आशंका जताई जा रही है। ग्रामीणों को संदेह है कि फुल्की में इस्तेमाल की गई सामग्री या पानी दूषित होने के कारण लोगों की तबीयत बिगड़ी। हालांकि, बीमारी की वास्तविक वजह जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। प्रभावित लोगों की संख्या 50 से अधिक बताई जा रही है।

अयोध्या की हिंदुत्व वाली पिच पर अखिलेश का बाउंसर, 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए सजेगा मैदान



संवाददाता—अयोध्या। समाजवादी पार्टी नेता व पूर्व मंत्री तेजनारायण पवन के घर आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आने से ही तय हो गया था कि 2027 का विधानसभा चुनाव हिंदुत्व की पिच पर अयोध्या में लड़ा जाएगा। पार्टी की तरफ से साफ्ट हिंदुत्व की स्क्रिप्ट पहले ही लिखी जा चुकी है। 12 दिसंबर को अखिलेश यादव का सपरिवार अयोध्या कार्यक्रम उसी का हिस्सा है, ऐसा पार्टी नेता मानने लगे हैं। अयोध्या विधानसभा सीट से सबसे पहले पार्टी प्रत्याशी तेजनारायण पवन को उम्मीदवारी से इसे समझा जा सकता है। लखनऊ में पांच अगस्त को एक कार्यक्रम में उनकी उम्मीदवारी से घोषित हुई थी। राम मंदिर इसी अयोध्या विधानसभा क्षेत्र में आता है, जिस सीट से पवन पांडेय पार्टी उम्मीदवार हैं। अयोध्या भारतीय जनता पार्टी की हिंदुत्व की वह प्रयोगशाला है, जिसके माध्यम से सत्ता के सबसे शिखर पर वह पहुंची है। 2024 के लोकसभा चुनाव में उसी अयोध्या की फैजाबाद लोकसभा सीट से सपा के अवधेश प्रसाद दो बार के सांसद भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह को पराजित कर दिल्ली पहुंचे हैं।

माना जाता है कि भाजपा इस झटके से अभी तक उबर नहीं सकी। समाजवादी पार्टी एक बार फिर अयोध्या की विधानसभा सीट पर भाजपा को पटकनी देने के लिए प्रयासरत है। पांच बार विधायक रहे लल्लू सिंह को सपा प्रत्याशी पवन 2012 के अपने पहले ही चुनाव में हरा चुके हैं। यह भी सही है कि उसके बाद 2017 व 2022 का चुनाव भाजपा प्रत्याशी वेदप्रकाश गुप्त से पवन पांडेय नहीं जीत पाये। अखिलेश यादव अयोध्या विधानसभा सीट पर लोकसभा चुनाव के परिणाम को पवन की जीत से दोहराकर भाजपा के हिंदुत्व के एजेंडे की धार को हमेशा के लिए कुंद करना चाहते हैं। पूर्व मंत्री अखिलेश के अयोध्या कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी नहीं देते।

दीपोत्सव के मुख्य कार्यक्रम के दिन अखिलेश यादव के अयोध्या कार्यक्रम की जानकारी देकर हैडिंग मैनेजमेंट में बाजी उन्होंने जरूर मार ली। साथ ही समाजवादी पार्टी ने भाजपा को अयोध्या में ही चुनौती देने का मन बना लिया है। वह इससे समझा जा सकता है कि अयोध्या सरयू नदी के किनारे है। सरयू के उस पार गोंडा व बस्ती जिला है। ऐसे में अखिलेश के कार्यक्रम में अयोध्या समेत चार—पांच जिलों के पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं का उमड़ना स्वाभाविक है, जिसकी भीड़ भाजपा के लिए किसी चुनौती से कम नहीं होगी।

एसपी ने जरूरतमंद परिवारों को बांटी त्योहार सामग्री महिलाओं और बच्चों को मिठाई, पटाखे दिए



संवाददाता—अम्बेडकरनगर। दीपावली का पर्व केवल रोशनी और खुशियों का ही नहीं, बल्कि जरूरतमंदों के साथ खुशियां बांटने और उनके जीवन में मुस्कान लाने का भी संदेश देता है।

थाना कोतवाली अकबरपुर क्षेत्र के शहजादपुर में कुछ महिलाएं सड़क किनारे बैठकर बांस से हस्तनिर्मित घरेलू उपयोग की वस्तुएं तैयार करती हैं। इन्हीं वस्तुओं को बेचकर महिलाएं अपने परिवार का भरण—पोषण करती हैं। सीमित संसाधनों के बीच परिवार की जिम्मेदारी उठाने वाली इन महिलाओं और उनके बच्चों के लिए दीपावली की खुशियां उस समय दोगुनी हो गईं, जब एसपी प्राची सिंह अपनी माताजी के साथ उनके बीच पहुंचीं। एसपी और उनकी माता ने महिलाओं से बातचीत कर उनके कामकाज और परिवार की स्थिति के बारे में जानकारी ली। इसके बाद सभी को दीपावली की मिठाई, पटाखे और त्योहार से जुड़ी अन्य सामग्री भेंट की। त्योहार पर मिले इस स्नेह और उपहार से महिलाओं के चेहरों पर मुस्कान दिखाई दी, वहीं पटाखे और मिठाई पाकर बच्चों में भी खासा उत्साह नजर आया। इस दौरान एसपी ने महिलाओं को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए उनके परिवारों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। उन्होंने पर्व की खुशियां समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने का संदेश भी दिया। पुलिस अधीक्षक का यह प्रयास त्योहार के अवसर पर जरूरतमंद परिवारों के साथ संवेदनशीलता और सामाजिक सहभागिता की एक पहल के रूप में सामने आया।

तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से युवक की मौत, चालक फरार



संवाददाता—संतकबीरनगर। महुली थाना क्षेत्र में रविवार सुबह तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से ईंट—भट्ठा श्रमिक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद वाहन चालक गाड़ी समेत फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी हाउस भेज दिया।

हादसा खलीलाबाद—नाथनगर मुख्य मार्ग पर दिकतौली गांव के पास हुआ। बताया जा रहा है कि सुबह तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने भट्ठा श्रमिक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी गंभीर थी कि श्रमिक ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हादसे की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर जुट गए और पुलिस को सूचना दी। महुली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया। काफी प्रयास के बावजूद मृतक की पहचान नहीं हो सकी। इसके बाद पुलिस ने संबंधित ईंट—भट्ठा मालिक से श्रमिक का आधार कार्ड उपलब्ध कराने को कहा है। आधार कार्ड मिलने के बाद मृतक की पहचान की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।

पुलिस हादसे में शामिल वाहन और उसके चालक की तलाश कर रही है। इसके लिए आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है और घटना से जुड़ी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस का कहना है कि मृतक की पहचान होने के बाद परिजनों को सूचना देने की कार्रवाई की जाएगी।

थानाध्यक्ष ने क्षेत्रवासियों को दी दीपावली की शुभकामनाएं



संवाददाता—संतकबीरनगर। धर्मसिंहवा थानाध्यक्ष मनीष जायसवाल ने दीपावली के पावन पर्व पर क्षेत्र के नागरिकों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि दीपावली खुशियों, रोशनी और आपसी भाईचारे का त्योहार है। थानाध्यक्ष ने लोगों से अपील की कि दीपावली का त्योहार शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से मनाएं। पटाखों का इस्तेमाल करते समय विशेष सावधानी बरतें और सुरक्षा नियमों का ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि त्योहार के दौरान किसी भी तरह की लापरवाही से खुद के साथ दूसरों को भी नुकसान पहुंच सकता है।

मनीष जायसवाल ने क्षेत्रवासियों से कानून—व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि त्योहार के दौरान सभी लोग आपसी सौहार्द और भाईचारे की भावना बनाए रखें। किसी भी तरह की समस्या, विवाद या संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें। थानाध्यक्ष ने कहा कि पुलिस क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए तत्पर है। उन्होंने सभी नागरिकों के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए दीपावली की बधाई दी।

घर में घुसकर युवक को पीटा

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के केवलापुर पहितीपुर गांव में दबंगों की दबंगई का मामला सामने आया है। गांव के ही कुछ लोगों ने शनिवार रात करीब 8 बजे एक युवक के घर पर चढ़कर लाठी—डंडों से उसकी जमकर पिटाई कर दी। जानकारी के अनुसार, केवलापुर पहितीपुर निवासी विवेक पांडेय के घर शनिवार रात करीब 8 बजे गांव का ही शैलेश अपने अन्य साथियों के साथ पहुंचा। आरोप है कि सभी लोग लाठी—डंडों से लैस थे। घर पहुंचते ही आरोपितों ने पहले गाली—गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपितों ने घर पर चढ़कर विवेक पांडेय को निशाना बनाया और लाठी—डंडों से उनकी जमकर पिटाई कर दी। हमले के दौरान मौके पर चीख—पुकार मच गई। आसपास के लोगों के पहुंचने पर मामला शांत हुआ। घटना के बाद पीड़ित पक्ष ने पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही अकबरपुर कोतवाली पुलिस गांव पहुंची और पूरे मामले की छानबीन शुरू कर दी।

जिला बदर होने के बाद भी जिले में दिखा अजय



संवाददाता—सिद्धार्थनगर। जिला बदर किए जाने के बाद भी अजय कुमार यादव के जिले में दिखाई देने का दावा किया गया है। 8 नवंबर को भलुहा खदरगड्डी में उसकी मौजूदगी का एक वीडियो सामने आया है। जिला बदर के आदेश के तहत संबंधित व्यक्ति को तय अवधि तक जिले की सीमा से बाहर रहना होता है। आदेश में अदालत में पेशी के लिए पहले सूचना देकर जिले में आने का प्रावधान भी है। ऐसे में अजय की कथित मौजूदगी का वीडियो सामने आने के बाद आदेश के पालन और निगरानी पर सवाल उठ रहे हैं। वीडियो में दिखाई दे रही तारीख और जगह की पुष्टि होना जरूरी है। साथ ही यह भी जांचना होगा कि अजय कुमार यादव किसी वैध अनुमति से जिले में आया था या नहीं। यदि वह बिना अनुमति जिले में मिला है तो यह जिला बदर आदेश का उल्लंघन हो सकता है। फिलहाल वीडियो की जांच और इस मामले में किसी कार्रवाई की जानकारी सामने नहीं आई है। यह भी स्पष्ट नहीं है कि संबंधित आने की ओर से जिला बदर किए गए लोगों की नियमित निगरानी और सत्यापन किया जा रहा है या नहीं। वीडियो की पुष्टि और जांच के बाद ही स्थिति साफ हो सकेगी।

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया कामप्लेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
प्रबन्ध सम्पादक—दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक—प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय—
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय—
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय—
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com dainikbhartiyabasti@gmail.com